कृति सैनन के फैंस हुए 30 लाख

बॉलीवुड की नवोदित अभिनेत्री कृति सैनन के प्रशंसकों की संख्या फोटो शेयरिंग साइट इंस्टाग्राम पर 30 लाख हो गई है। कृति सैनन ने बॉलीवुड में अपने करियर की शुरूआत वर्ष 2014 में प्रदर्शित फिल्म 'हीरोपंती' से की थी। कृति इन दिनों फिल्म 'राबता' में सुशांत सिंह राजपूत के साथ काम कर रही है। कृति ने प्यार के लिए अपने सभी प्रशंसकों का आभार जताया है। कृति ने अपने प्रशंसकों के लिए अपनी एक तस्वीर भी साझा की। कृति ने तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'तीस लाख..आप सभी को प्यार। आप चाहते हैं कि आपका यह प्यार लौटाने के लिए मैं और ज्यादा मेहनत करूं।'

omg! सनी को बचपन में ही पता चल गई थी यह बात....

अभिनेत्री सनी लियोन एक बार फिर से चर्चा में आ गई है। उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान बताया ,'मैं सेफ सैक्स पर विश्वास करती हूं क्योंकि ऐसा करने पर आप बिमारियों और अनवांटेड प्रेग्नेंसी से छुटकारा पा सकते हैं। सेफ सैक्स और कंडोम को साथ-साथ चलना चाहिए। स्कूल या दोस्तों की टीचिंग से सेफ सैक्स की जानकारी नहीं मिलती है। सनी ने सैक्स को लेकर खुलकर बातें कही। आगे उन्होंने कहा ,मुझे सैक्स के बारे में जानकारी हाई स्कूल में 8वीं से 12वीं के बीच मिली थी। इससे पहले सनी ने कहा था कि वह हमेशा फिल्मों में काम नही करेंगी। उल्लेखनीय है कि जिस्म-2 के बाद सनी लियोन ने 'जैकपॉट', 'रागिनी एमएमएस 2' और 'एक पहेली लीला' जैसी कई फिल्मों में काम किया। शाहरूख खान की आने वाली फिल्म 'रईस' के लिए हाल ही में सनी लियोन ने एक आइटम सॉग की शूटिंग भी की है।

'पद्मावती' के लिए पहला गाना रिकॉर्ड करेंगी श्रेया

संजय लीला भंसाली की आने वाली फिल्म 'पद्मावती' के लिए श्रेया घोषाल ने गाना रिकॉर्ड किया है और गायिका के अनुसार यह गीत उसके जीवन का एक यादगार गीत साबित होगा। 32 साल की ''दीवानी मस्तानी'' गायिका ने ट्विटर पर अपने प्रशंसकों के साथ यह खबर शेयर की। उन्होंने लिखा कि ''मैंने अपने जीवन का एक यादगार गीत रिकॉर्ड किया। इस पल के अनुभव से काफी खुश हूं। मैंने इसे पूरे दिल से गाया।'' श्रेया ने 53 साल के फिल्म निर्देशक की संगीत की समझ और लेखन की सराहना करते हुए लिखा कि संजय लीला भंसाली सर की 'पद्मावती' के लिए दिल से गाया। फिल्म में भंसाली की पसंदीदा जोड़ी दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह अभिनय करेंगे। घोषाल का बॉलीवुड में कैरियर भी भंसाली की 'देवदास' के साथ शुरू हुआ था इसके अलावा उन्होंने उनकी अन्य फिल्मों ''बाजीराव मस्तानी'', ''रामलीला'' और ''सांवरिया'' के गीतों को भी अपनी आवाज दी है।

पाक ने कहा-दूसरी किम कार्दशियन

इन दिनों पाकिस्तान की मॉडल कंदील बलोच के वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा हैं। वीडियो के लाइक देखकर तो ये ही लगता है कि लोग खूब देखते हैं, लेकिन उसे बुरा भी कहते हैं। पाकिस्तान की पहली सोशल मीडिया सेलेब्रिटी क़ंदील बलोच 25 साल की हैं और उन्हें पाकिस्तान की किम कर्दाशियां कहा जाता है। वो खुद का वीडियो बनाती हैं और उसे इंटरनेट पर अपलोड करती हैं।

एक इंटरव्यू में कंदील ने बताया कि, ÷मेरे मां-बाप ने जो आजादी मुझे दी मैंने उसका नाजायज इस्तेमाल किया, मैं यह मानती हूँ, लेकिन अब मैं हाथ से निकल चुकी हूँ, अब कुछ नहीं हो सकता।÷ कंदील के वीडियो के बारे में पाकिस्तान के यूथ का कहना है कि इसे फेसबुक पर अपलोड करने पर पाबंदी लगा देनी चाहिए, क्योंकि यह पाकिस्तान के नियमों के खिलाफ है। इसे देखकर पाकिस्तान के युवा गलत दिशा में जा रहे हैं।

कंदील की इन हरकतों को केवल ये ही कहा जा सकता है कि वे भी पूनम पांडे, किम कर्दाशियां इसके अलावा अन्य पॉपुलर पार्न स्टार की तरह अपनी पहचान बनाना चाहती हैं। बता दें भारतीय मनोरंजन इंडस्ट्री में ऐसे कई विवादित रियलटी शो हैं जो इस तरह की मॉडल को अपने शो में आने का मौका देते हैं। बता दें कंदील के बिग-बॉस सीजन-10 में एंट्री लेने की खबरें भी आ रही हैं। इसके अलावा पाक खिलाड़ी अफरीदी पर कई कमेंट कर कंदीश खूब चर्चा में रही।

'सुल्तान' ने फतह किए पाक व यूएई, भारत में कमाए 105.35 करोड़

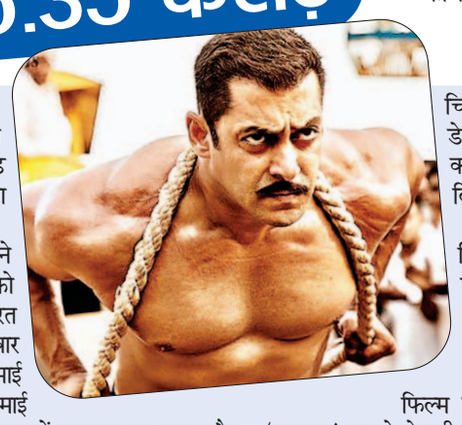

बॉलीवुड स्टार सलमान खान की फिल्म %सुल्तान% ने आखिरकार अपने तीसरे दिन में 105.35 करोड़ की कमाई कर ही ली। हाल ही में ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने लिखा आखिककार सुल्तान ने सेंचुरी मार ही ली।

बता दें फिल्म बधुवार को रिलीज हुई थी। फिल्म ने अपने पहले दिन 36 करोड़ गुरूवार को 37 करोड़ और शुक्रवार को 31 करोड़ के लगभग कमाई की। आपको बता दें फिल्म ने भारत के साथ पाकिस्तान में भी धमाल मचा दिया है। इसने बुधवार को रिलीज के दिन ही ओवरसीज में करीब 21 करोड़ की कमाई की है। पाकिस्तान और यूएई में ये पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली विदेशी फिल्म बन गई है। सुल्तान अली खान के रुप में सलमान का लुक और एक्टिंग लोगों को बहुत पसंद आई है। और फिल्म की कहानी ने भी ऑडियंस को सीट से चिपकाए रखा। इसके अलावा सलमान के नाम फिल्म के ओपनिंग डे के कलेक्शन ने सुल्तान को पिछले 10 साल में बम्पर ओपनिंग करने वाली फिल्मों की लिस्ट में दसवें नंबर पर ला कर खड़ा कर दिया है।

गौरतलब है कि सलमान खान ने अपनी फिल्मों की कमाई का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। सलमान की फिल्म 'एक था टाइगर' ने भी पहले दिन 33 करोड़, 'बजरंगी भाईजान' ने 27.25 करोड़ और 'किक' ने 26.52 करोड़ की कमाई की थी। ये तीनों फिल्में भी ईद पर ही रिलीज हुई थीं।

इस फिल्म में सलमान खान के अपोजिट अनुष्का शर्मा हैं। इस फिल्म को समीक्षकों ने भी अच्छा बताया है। लोगों के अनुसार भी 'सुल्तान' सबसे बेहतरीन फिल्म है।

इरफान स्टारर 'मदारी' की रिलीज 1 सप्ताह टली

अभिनेता इरफान खान की आगामी फिल्म 'मदारी' की रिलीज एक सप्ताह टाल दी गई है और अब यह 22 जुलाई को रिलीज होगी। शुरुआत में इस फिल्म को 15 जुलाई को रिलीज करने का कार्यक्रम था, लेकिन 'ग्रेट ग्रैंड मस्ती' उसी दिन रिलीज होगी। विष्णु भगनानी ने एक बयान में कहा, 'यह उद्योग एक बड़ा परिवार है और हम एक दूसरे के लिए और एक दूसरे के साथ काम करते हैं। मदारी अब 22 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जबकि ग्रेट ग्रैंड मस्ती 15 जुलाई को रिलीज होगी।' ग्रेट गैंड मस्ती के निर्देशक इंद्र कुमार ने कहा, 'हमारे अनुरोध पर विष्णु जी ने अपनी फिल्म एक सप्ताह आगे बढ़ाई, इसके लिए हम उनके आभारी हैं।' ग्रेट ग्रैंड मस्ती एक वयस्क हास्य फिल्म है जिसमें रितेश देशमुख, विवेक ओबेराय, आफताब शिवदासानी और उर्वशी रौतेला प्रमुख भूमिका में हैं। बता दें मदारी में एक आम इंसान है जो दाल रोटी में उलझा हुआ है, जिसका अपना एक परिवार है,

संपादकीय

शिक्षा : संस्थाओं की साख का सवाल

राष्ट्र की सेवा में समर्पित

प्रभात अर्जुन

वर्ष : 5, अंक : 9
पृष्ठ : 8
शुक्रवार 1-15 जुलाई 2016
मूल्य : ₹2.00
हिन्दी पाक्षिक

स्वास्थ्य जगत : गर्भवती महिलाओं के लिए संतरा बेहद लाभकारी ...

धर्म आस्था : ...भारत ही नहीं विश्व भर में आकर्षण का केंद्र है यह मंदिर

फरीदाबाद

आर.एन.आई. नं. HARHIN/2012/41589

संपादक मनोज भारद्वाज

करनाल में 300 करोड़ रूपये की लागत से बनेगा नया बस अड्डा

करनाल। करनाल में लगभग 300 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाले नये बस अड्डे पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। प्रथम चरण में यह बस अड्डा 6 बेज का बनेगा। इसे एक वर्ष के अंदर बनाकर जनता की सेवा में शुरू कर दिया जाएगा। बस अड्डे के अन्य चरण पब्लिक प्राईवेट पार्टनर्शिप (पी.पी.पी. मोड) के तहत निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरे किये जाएंगे। यह जानकारी हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने स्थानीय इंद्री रोड़ पर लगभग 32 एकड़ में बनने वाले नये बस अड्डे की आधारशिला रखने उपरांत उपस्थित भारी जनसमूह को सम्बोधित करते हुए दी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने करोड़ों रूपये की लागत से बनी और बनने वाली 6 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। अपने सम्बोधन में मुख्यमंत्री ने बताया कि नये बस अड्डे में लगभग 12 एकड़ में आधुनिक बस अड्डे का निर्माण किया जाएगा।

किश्तों पर मिलेगा घर का राशन

चंडीगढ़। मध्यम वर्गीय परिवारों के साथ साथ गरीबी रेखा या इससे नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। अगर इस श्रेणी के लोगों को अधिक मात्रा में घरेलू इस्तेमाल अथवा रसोई घर में इस्तेमाल होने वाला सामान लेना है और पैसों की तंगी है तो अब वह इस सामान को आसान किश्तों पर भी ले सकते हैं।

इस योजना का सबसे अधिक लाभ रेहड़ी-फड़ी संचालकों तथा रिक्शा चालकों को उन हालातों में होगा जब वह अपने घर में कोई सामाजिक कार्यक्रम का आयोजन करते हैं और पैसों की तंगी के कारण वह इसमें असमर्थ रहते हैं। ऐसे लोगों को यह सुविधा शहर में चल रहे बिग बाजार में बजाज फाइनेंस की मदद से मिलेगी। बजाज फाईनैंस ने फियूचर ग्रुप के बिग बाजार सहित कई अन्य स्टोरों से एक गठबंधन कर मंहगाई की मार झेल रहे ग्राहकों को राहत पहुँचाने का प्रयास किया है। यह क्रेडिट फैसेल्टी फियूचर ग्रुप के स्टोरों से की गई।

पिज्जा, बर्गर खाने पर देना होगा 'मोटा' फैट टैक्स!

तिरुवनंतपुरम। केरल सरकार ने पिज्जा, बर्गर्स और टैकोज खाने वाले कन्जयूमर्स पर 'फैट टैक्स' लगाने का फैसला किया है। देश में यह अपनी तरह का पहला मामला है।

राज्य के वित्त मंत्री थॉमल इसाक ने शुक्रवार को एलडीएफ सरकार का पहला बजट पेश करते वक्त इसका ऐलान किया।

बजट स्पीच में, वित्त मंत्री ने कहा कि पिज्जा, बर्गर, टैकोज, डोनट, सैंडविच, पास्ता, बर्गर पैटीज और ब्रैड फिलिंग जैसे खाद्य पदार्थ बेचने वाले ब्रैंडेड रेस्टोरेंट्स में कन्जयूमर्स को 14.5 पर्सेंट फैट टैक्स देना होगा। मैकडोनाल्ड्स, डोमिनोज, पिज्जा हट और सबवे जैसे फास्ट फूड चेन में यह नया नियम लागू होगा। वित्त मंत्री ने कहा कि नए टैक्स से लगभग 10 करोड़ रुपए और जुटाए जाएंगे। हालांकि बजटीय भाषण में उन्होंने अपने इस कदम को लेकर किसी तरह का तर्क नहीं दिया। बता दें कि डेनमार्क और हंगरी जैसे देशों में ओबेसिटी (मोटापे) से निपटने के लिए फैट टैक्स लगाया जा चुका है।

राज्य में स्कूली बच्चों पर हुई दो स्टडीज में राज्य में ओबेसिटी रेट बढ़ने की बात सामने आई थी। 2010 में वीएमएस बेल्लारी की स्टडी में पाया गया था कि तिरुवनंतपुरम सिटी कॉर्पोरेशन के स्कूली बच्चों में 12 फीसदी ओवरवेट हैं जबकि 6.3 फीसदी मोटापे के शिकार हैं।

अफ्रीकी दौरा छोड़ भारत लौटे अजीत डोभाल

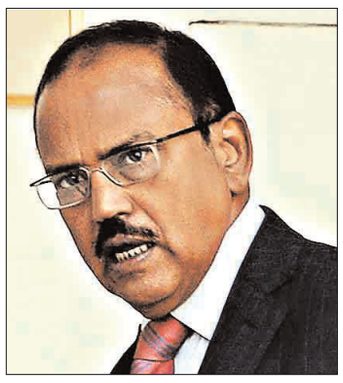

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में आतंकी बुरहान वानी के एनकाउंटर के बाद से हालात तनावपूर्ण हैं। शुक्रवार शाम आतंकी के खात्मे के बाद से शुरू हुए हिंसक प्रदर्शन में अब तक 30 लोगों की मौत हो चुकी है, वहीं बिगड़ते हालात से परेशान केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सोमवार को दो बार उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। खास बात यह रही कि दोपहर बाद दूसरी बैठक में हिस्सा लेने के लिए एनएसए अजीत डोभाल अफ्रीकी दौरा बीच में छोड़कर लौट आए।

गृह मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई दोनों ही बैठकों में मंत्रिमंडल के अधिकारी, आईबी और रॉ के चीफ मौजूद रहे. जबकि दोपहर बाद की बैठक में एनएसए अजीत डोभाल, सेना प्रमुख और सीआरपीएफ के डीजी के अलावा वित्त मंत्री अरुण जेटली और केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने भी हिस्सा लिया।

जानकारी के मुताबिक, बैठक में दो दिनों से रुकी अमरनाथ यात्रा के सोमवार को फिर से शुरू होने पर चर्चा हुई। अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा के साथ ही घाटी में सुरक्षाबलों की तैनाती को लेकर चर्चा हुई। बताया जाता है कि गृह मंत्री ने सीमा पार से घुसपैठ को लेकर हर संभव सर्तकता बरतने को कहा. इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी नेताओं से निपटने का प्लान तैयार किया गया. इस हाई लेवल मीटिंग में सोशल मीडिया मॉनिटरिंग को लेकर चर्चा हुई. बताया गया कि पत्थर फेंकने के लिए स्थानीय लड़कों को सोशल मीडिया के माध्यम से भी भड़काया गया। मिलिट्री ऑपरेशंस के डीजी ले।

जनरल रणवीर सिंह ने राज्य में सेना की मौजूदगी पर प्रजेंटेशन दिया, जबकि आईजी ऑपरेशंस जुल्फिकार हसन ने सीआरपीएफ की तैनाती को लेकर प्रजेंटेशन दिया.

केन्या में कैंसर अस्पताल के लिए मदद देगा भारत

नैरोबी (एएनआई)। भारत केन्या की राजधानी नैरोबी में बनने वाले कैंसर अस्पताल के निर्माण का पूरा खर्च वहन करेगा। इसको लेकर हुए एक समझौते पर हस्ताक्षर के बाद केन्या के राष्ट्रपति उहरू केन्याटा ने भारत का शुक्रिया अदा करते हुए दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने की एक कड़ी बताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मौके पर भाभाट्रोन का एक मॉडल भी केन्या के राष्ट्रपति को भेंट किया। भाभाट्रोन न्यूक्लियर मेडिसिन कैंसर थैरेपी मशीन है जिसको केन्या के लिए भारत बनाएगा। भारत और केन्या के बीच हुए करार की जानकारी देते हुए दोनों राष्ट्राध्यक्षों ने एक ज्वाइंट प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा कि इन समझौतों से दोनों देश विकास के पथ पर अग्रसर होंगे। साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केन्या को मजबूत साझेदार बताया। उन्होंने कहा कि भारत और केन्या के बीच हुए समझौते दोनों देशों की तरक्की में सहायक साबित होंगे। उन्होंने कहा कि भारत केन्या में सबसे बड़ा निवेशक है और सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर भी है। लेकिन दोनों देशों में इससे भी कहीं आगे निकलने की क्षमता है।

दोनों देश आपसी सहयोग से काफी कुछ हासिल कर सकते हैं। पीएम मोदी ने यहां पर कहा कि केन्या के राष्ट्रपति ने जो बातें अपने संबोधन में कहीं हैं, वह न भूलने वाली बातें हैं। उनका संबोधन दोनों देशों के बीच प्यार और मजबूत रिश्तों को दर्शाता है। समझौतों की जानकारी देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि टैक्सटाइल के क्षेत्र में हुए समझौते से इस क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास देखने को मिलेगा।

AN INTERACTIVE SPECIAL SEMINAR WAS ORGANISED BY FARIDABAD CHAMBER OF COMMERCE AND INDUSTRY AT HOTEL PARK PLAZA. RENOWNED CHARTERED ACCOUNTANT AND MEMBER OF CENTRAL COUNCIL OF ICAI CA ATUL GUPTA WAS THE SPEAKER FOR THE TOPIC. PRESIDENT OF FCCI MR. H.K.BATRA ALONG WITH IMM. PAST PRESIDENT T.C.DHAWAN AND HON.SECY ASHISH JAIN WELCOME THE GUEST SPEAKER WITH FLOWERS. GUEST OF HONOUR FOR THE EVENING WAS DR.RAKESH GUPTA AND CA DR. RAJKUMAR AGGARWAL BOTH WERE WELCOMED BY PAST PRESIDENT J.P.MALHOTRA AND TREASURER SANDEEP SINGHAL RESPECTIVELY. A LARGE NUMBER OF FCCI MEMBERES WERE PRESENT THERE TO LISTEN THE SPEAKER. MR. H.K.BATRA SHARED THAT THE GST IS MOST POPULAR TOPIC IN DISCUSSION AMONG THE TRADE AND INDUSTRY PEOPLE AND BOTH ARE IN NEED TO GET THE PROPER KNOWLEDGE ABOUT THE IMPLIMENTATION AND DOCUMENTATION TO KEEP THERE AFTER. CA ARUN GUPTA CLARIFY ALL THE ASPECTS OF UPCOMING GOODS AND SERVICE TAX IN VERY SIMPLE AND LAYMEN LANGUAGE. HE ANSWERED ALL THE QUESTIONS ASKED BY THE MEMBERS OF FCCI PRESENTED THERE. ALL THE MEMBERS APPRECIATE THE EFFORTS OF FCCI TEAM FOR ORGANISING SUCH A FRUITFUL SEMINAR AT A VERY RIGHT TIME. AT THE END ADVOCATE DINESH MANGLA PANNEL CHAIRMEN OF FCCI VAT COMMITTEE DELIVERED THE VOTE OF THANKS. FCCI MEMBERS PRESENTED THERE INCLUDES MR DEVENDER GOYAL , JITENDER MANGLA, PRADEEP SINGHAL MR RAGHAVAN, MR ANIL RAHAT, MSS SONAM PAREEK BHATIA, CA JUGAL ARORA, ADV VIRENDER GAMBHIR, SH. I.S.VIRDI, ADV. RAKESH AHUJA, MR. SUNIL GUPTA, MR. KISHAN SHARMA.

Advt.

स्वच्छ भारत अभियान सबका सांझा अभियान : सीमा त्रिखा

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। स्वच्छ भारत अभियान सबका सांझा अभियान है, जिसे सबको मिलकर सफल बनाना है। यह विचार गत दिवस मुख्य संसदीय सचिव, हरियाणा सीमा त्रिखा ने सैक्टर 21 ए, स्थित अपना पार्क में उक्त विषय पर जागरूक करने के उद्देश्य से इको कल्ब एवं हयूमन काईंड फांऊडेशन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित जागरूकता शिविर में उपस्थित स्थानिय क्षेत्र वासियों को संबोधित करते हुए कहे। मुख्य संसदीय सचिव ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार स्वच्छ भारत अभियान का लाभ आमजन मानस को देने के लिए दृढ़ संकल्प है। जिसके लिए जन जागरूकत्ता अभियानों का विशेष महत्व है। ऐसे में आज उक्त संस्थाओ व स्थानिय क्षेत्र वासियों द्वारा मिलकर स्वच्छ भारत अभियान के संबध में उठाया गया यह कदम बेहद सराहनीय है। श्रीमती सीमा त्रिखा ने कहा कि अक्सर देखने में आता है हम दैनिक दिन चर्या के दौरान बहुत सा घरेलू

कूड़ा कचरा जाने अनजाने में इधर उधर कोई विकल्प न होने की स्थिति में फेंक देते हैं। जिससे जहां एक ओर हमारे घरों से निकला हुआ कूड़ा करकट धीरे धीरे एकत्रित होकर गंदगी का सबब बन जाता है साथ ही अन्य कई तरीकों व कारणों से दैनिक दिन चर्या को व आम जन को भी प्रभावित करता है। जागरूक्ता अभियान के विषय में ईको कल्ब एवं हयूमन काईंड फांऊडेशन के प्रतिनिधि अशोक नेहरा एवं श्रीमती मोनिका ने इस बारे संयुक्त रूप से चर्चा की। इस अवसर पर 21ए आरडब्लूए प्रधान गजराज नागर, मनोज मल्होत्रा, सूची चौधरी, ब्रिगेडियर एसएन माथुर, सुभाष शर्मा, दर्शना गुप्ता, गुरेन्द्र चोपड़ा, अशोक जैन, अजय मलिक, एसएन गुप्ता, नीरज कोचर, इंद्र लाल, विवेक अग्रवाल, राजीव जेम्स सहित अनेको गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

क्यूआरजी अस्पताल द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। क्यूआरजी अस्पताल के सहयोग से आईसीएसआई फरीदाबाद चैप्टर ने कार्पोरेट सामाजिक दायित्व पर आयोजित सेमीनार के उपरांत एक निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन भी किया। मुख्यअतिथी आईसीएसआई इंडिया के पूर्व अध्यक्ष सीएस निसार अहमद, चैप्टर के चेयरमैन प्रवीण रांका एवं

अस्पताल के डॉक्टरों ने दीप प्रज्जवलन के साथ विधिवत कार्यक्रम का उद्घाटन किया। सेक्टर 16 ए स्थित आईसीएसआई इंस्टीटयूट फरीदाबाद में सामाजिक उत्तरदायी पर एक सेमीनार एवं निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें चैप्टर चेयरमैन सीएस प्रवीण रांका ने मुख्यअतिथि सीएस निसार अहमद, पूर्व अध्यक्ष आईसीएसआई इंडिया का बुके देकर स्वागत किया। श्री अहमद ने अपने संबोधन में अपने आईसीएसआई संबंधित अनुभवों के बारे में उपस्थित लोगों को बताया। उन्होंने कहा कि कंपनी सचिव में दक्ष युवाओं की बहुत मांग है और आईसीएसआई इस संबंध में बहुत गंभीरता से सीएस छात्र के हित में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। प्रवीण रांका ने अपने संबोधन में कहा कि जुलाई महीने को स्टूडेंट ऑफ मंथ घोषित किया गया है। सेमीनार में एकाउंटेंट एक्सपर्ट ने सीएस स्टूडेंटस को महत्त्वपूर्ण जानकारी दी। छात्रों को अध्ययन के दौरान अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने की भी सलाह दी गई। चैप्टर द्वारा ऑरल कोचिंग दी जा रही है, इस ऑरल कोचिंग के सीएस स्टूडेंट को होने वाले लाभ की विस्तृत जानकारी दी गई।

विशेष अतिथि क्यूआरजी के मेडिकेयर प्रेसीडेंट डॉक्टर डीके बलुजा, डॉक्टर कुलविंदर सिंह,एवं अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टरों की टीम में ह्रदय रोग विशेषज्ञ डॉक्टर गजेंद्र गोयल,डॉक्टर शाहे जाफर, डॉक्टर एसके शर्मा, डॉक्टर इला झा, डॉक्टर राजीव गुप्ता, डॉक्टर सचिन मनौचा, अश्वनी बरेजा, सीएस पीसी जैन, सीएस स्टूडेंटस एवं आईसीएसआई संस्थान के सदस्य एवं समस्त कर्मचारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

सरकारी स्कूल में आपदा प्रबन्धन पर मॉक ड्रिल कार्यक्रम का आयोजन किया

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। मंझावली व पलवली गांव के सरकारी स्कूल में आपदा प्रबन्धन पर मॉक ड्रिल कार्यक्रम का

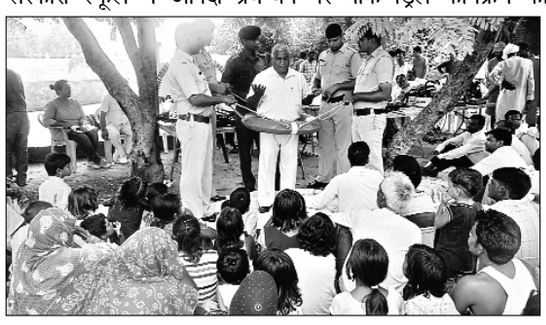

आयोजन किया गया। इस मौके पर विषय विशेषज्ञ व चीफ वार्डन सिविल डिफैंस डॉ0 एमपी सिंह के नेतृत्व में एनडीआरएफ की टीम ने छात्रों को आपदा के समय बरती जाने वाली एहतियातों के बारे में बताया। इस मौके पर तहसीलदार वीरेन्द्र राणा, नायब तहसीलदार व स बन्धित पटवारी मु य रूप से उपस्थित थे। मंझावली के सरकारी स्कूल में ग्रामवासियों को पहले बाढ़ व आपदा से स बन्धित जरूरी जानकारी एनडीआरएफ के इंस्पैक्टर नीरज गुप्ता ने दी। उन्होंने बाद में यमुना नदी में नाव चलाना सिखाया व गोताखोरों के माध्यम से डूबे हुए लोगों को निकालने की तरकीब बताई। मंझावली में रतन सैनी, रमेश चन्द, वीरपाल, महेन्द्र, सतीश व जग्गी को शामिल करके तैराकों व गोताखोरों की टीम गठित की गई ताकि आपातकालीन स्थिति में प्रशासन की मदद की जा सके।

वहीं एम.पी. सिंह ने बताया कि डूबते को तिनके का सहारा सही कहावत है क्योंकि पहले समय में सूखे कद्दू को बांधकर लोग गहरे पानी को पार कर जाते थे और दो तीन दिन तक पानी में रहने के बाद भी सुरक्षित मिलते थे लेकिन आजकल तैरना किसी किसी को ही आता है, जिनको तैरना नहीं आता है वे ब बू का प्रयोग कर सकते हैं। आपदा के समय धैर्य को नहीं खोना चाहिए। इस अवसर पर सिंचाई विभाग के एसडीओ शिवकुमार, बिजली निगम के एसडीओ नरेश कुमार यादव व जेई जितेन्द्र सिंह, कानूनगो अजय कुमार, पटवारी दलबीर व दलीप कुमार, पशुपालन विभाग से नेकीराम, पंचायत विभाग से करण सिंह तथा सिंचाई विभाग से कार्यकारी अभियन्ता वीएस रावत भी मौजूद थे।

पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों से मिटींग कर, दिये दिशा निर्देश

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त ने आज पुलिस लाईन में हरियाणा सरकार द्वारा अनुबंध पर पुलिस विभाग में भर्ती किये गये मग`मतअपबम उंद, पुलिस ट्रनिग सैन्टर भौनडसी से प्रशिक्षण प्राप्त कर लोटे 99 विषेश पुलिस अधिकारियों की मिटिग ली गई। मिटिग के दौरान डीसीपी एन.आई.टी, पूरण चन्द पवार व डीसीपी

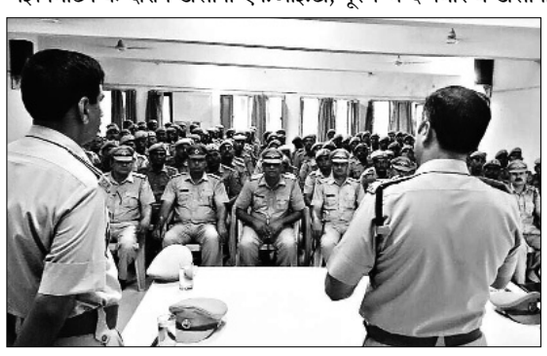

बल्लवगढ, भूपेन्द्र सिह और ए.सी.पी तिगांव, विश्णु दयाल के अलावा थाना प्रबंधक भी मौजूद रहे। पुलिस आयुक्त ने विशेष पुलिस अधिकारीयों को पुलिस विभाग ज्वाईन करने पर बधाई देते हुए पुलिस डयूटीयों के बारे में बताया गया और सभी को पुलिस विभाग में रहते हुए अच्छी डयूटी करने के लिए उचित दिषा निर्देश दिये। पुलिस आयुक्त ने सभी विषेश पुलिस अधिकारीयों को पुलिस कमीषनरेट के सभी थानों में अलग-अलग नियुक्ती करके आज ही डयूटी पर तैनात किया गया।

आपत्तियों व सुझावों की सुनवाई 22 जुलाई को

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। परिवहन विभाग हरियाणा की अधिसूचना 17-10-2011-3टी(।।) दिनांक 15-02-2016 के द्वारा प्रकाशिक स्टेज कैरिज स्कीम के प्रस्ताव पर जिला फरीदाबाद से प्राप्त आपत्तियों व सुझावों की सुनवाई विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव द्वारा आगामी 22 जुलाई 2016 को प्रातः 11ः00 बजे से नए सिविल सचिवालय हरियाणा, सैक्टर-17सी चण्डीगढ़ के कान्फ्रैंस कक्ष में की जायेगी। प्रदेशिक परिवहन प्राधिकरण के सचिव सुभाष श्योरान ने जिले से सम्बन्धित सुनवाई के इच्छुक व्यक्तियों से अनुरोध किया है कि वे उक्त स्थान पर सही समय पर पहुंच कर सुनवाई हेतु उपस्थित हों ताकि कार्य का निपटारा किया जा सके।

न्याय दिलवाने के लिए थाना प्रभारी से मुलाकात

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। प्रापर्टी दिलवाने के बहाने लाखों रुपए धोखे से हड़पने, मां-बेटियों को बंधक बनाने व उनके साथ दुष्कर्म करने का प्रयास करने के मामले को लेकर हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव सुमित गौड़ के नेतृत्व में पीड़ितों ने आज थाना सारन प्रभारी से मुलाकात करके उन्हें पूरी वास्तुस्थिति से अवगत करवाया। इससे पूर्व पीड़ित पक्ष द्वारा पुलिस कमिश्नर को लिखित में शिकायत देकर पूरे मामले से अवगत करवाया था। फिलहाल थाना प्रभारी ने पीड़ितों की शिकायत लेकर श्री गौड़ को आश्वासन दिया कि दो दिन के अंदर इस मामले में आरोपियों पर शिकंजा कस लिया जाएगा। सुमित गौड़ ने थाना प्रभारी

को बताया कि सेक्टर-22 में रहने वाली प्रवेश पत्नी स्व. मदनलाल ने कुलवंत राय से फरीदाबाद में प्रापर्टी खरीदने के लिए संपर्क किया था। इसके बाद कुलवंत ने अपने साले विरेंद्र निवासी जवाहर कालोनी से उनकी मुलाकात करवा ली। पीडिता के अनुसार विरेंद्र व कुलवंत ने मिलीभगत करके सेक्टर-22 में उन्हें 50 लाख का मकान 65 लाख में दिलवाया व सेक्टर-23 में 40 लाख का मकान जबरन 55 लाख में दिलवाया और रजिस्ट्री के समय उन्हें जबरन बंधक बनाकर नोएडा ले गया और जबरदस्ती जीपीए करवा दी। सुमित गौड़ ने बताया कि श्रीमती प्रवेश जी की दो बेटियों, जिनमें से एक मानसिक रुप से कमजोर है, के साथ आरोपियों द्वारा गलत व्यवहार किया और उन्हें मानसिक व शारीरिक रुप से प्रताडित किया गया। पीडिता ने आरोप लगाया कि इस पूरे षडयंत्र में विरेंद्र मित्तल, कुलवंत राय, मधु मित्तल व पूनम शामिल है, उनके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिए। सुमित गौड ने कहा कि एक तरफ भाजपा सरकार महिलाओं को सुरक्षा देने के बड़े-बड़े दावे करती है, जबकि दूसरी तरफ तीन बेसहारा मां-बेटियों को कुछ असामाजिक तत्व के लोग आर्थिक, मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताडित कर रहे है, परंतु उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता महेंद्र शर्मा, युवा कांग्रेस लोकसभा अध्यक्ष रिंकू चंदीला, वरिष्ठ अधिवक्ता गौतम नारायण सिंह, डा. सौरभ शर्मा, जितेंद्र चिंडालिया, संदीप, अमित कौराली, विरेंद्र फिरोजपुर सहित अनेकों कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद थे।

डीएचबीवीएन निगम को उठाना पड़ रहा है नुकसान

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। पिल्लर बाक्स मामले में निजि कम्पनी से निगम दुारा कब्जे में लिया गया 45 करोड़ का समान आदेशों के बावजूद प्रयोग न करने से बर्बाद हो गया है। जिसके कारण डीएचबीवीएन निगम को सैंकड़ों करोड़ का भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इतना ही नहीं इस मामले में अनियमिताएं बरतने के आरोपी 57 अधिकारियों व कर्मचारियों में से जिन सात अधिकारियों को 25 जुलाई 2014 को निलम्बित किया गया था, उनको थमाई गई चार्जशीटों को न तो कोई निर्णय हुआ और न ही उनको बहाल किया गया। निगम इन अधिकारियों को घर बैठाकर बिना काम लिये उनके वेतन का 90 प्रतिशत वेतन दे रहा है। दो वर्षो मे निगम इनको 1.20 करोड़ रूपये वेतन के रूप मे दे चुका है, निगम के उच्च पदों पर बैठे अधिकारियों की आपसी लड़ाई मे जहां निगम को सौ करोड़ से ज्यादा का नुकसान हो रहा है, वहीं निलम्बित किये अधिकारी भारी मानसिक तनाव मे हैं, जिसमें एक अधिकारी मानसिक संतुलन खो चुका है और वह दुर्घटना का शिकार होकर बिस्तर पर पडा हुआ है।

उल्लेखनीय है कि दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम ने लाईन लासिज को कम करने के लिये घरों से मीटर बाहर निकालने के लिये वर्ष 2013 मे पिल्लर बाक्स स्कीम चालू की थी, जिसके अनुसार सभी सर्कलों में काम शरू किया गया था। फरीदाबाद सर्कल में जून व अक्टूबर 2013 मे 122.29 करोड़ के वर्क आर्डर दो निजी कम्पनियों को किये गये थे और काम शरू हो गया, जिसके अनुसार सारा समान भी इन कम्पनियों ने ही सप्लाई करना था, जितना समान आयेगा, उसकी कुल कीमत का 50 प्रतिशत का भुगतान निगम को करना था। नवम्बर, 2013 मे शिकायत हो गई कि समान कम आया है और भुगतान ज्यादा का किया गया है। जिसके बाद काम रोक दिया गया, निगम दुारा गठित कमेटी ने जांच की तो इसमें पाया कि समान 45 करोड का आया और भुगतान 32 करोड़ का हो चुका था, यह इसलिये सम्भव हुआ कि समान एक जगह पड़ा था ठीक से आंकलन करना काफी कठीन काम था। सामान की गुणवता की जांच हुई, समान ठीक मिला, कमेटी ने समान प्रयोग करने को भी कह दिय। इसके बाद मुख्य अभियन्ता की अध्यक्षता मे एक जांच कमेटी बनाई गई, उसने भी समान की कीमत 43 करोड बताई। इसके बाद निगम ने इसकी जांच स्टेट विजिलैंस से करवाने का निर्णय लिया, उसने समान की बारीकी से जांच की और उसके आंकलन अनुसार समान की कीमत 45 करोड़ मिली। विजिलैंस ने भी समान प्रयोग करने को कहा, निगम ने समान प्रयोग के बारे मे आवश्यक मार्गदर्शन के लिये एल. आर. को केस भेजा और उन्होने कहा की पुलिस अगर परमीशन दे तो सामान प्रयोग किया जा सकता है। पुलिस ने भी समान प्रयोग करने की परमीशन दे दी। इसके बावजूद निगम में उच्च पद पर तैनात एक अधिकारी ने इसकी परमीशन नही दी। उन्होने केस को लटकाने के लिये एक डीएसके नामक प्राईवेट कम्पनी से सलाह लेने के लिये कहा, इसके लिये मोटी रकम का भुगतान भी किया गया, जिसकी कोई वैधता भी नही है। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री ने एक मीटिंग में उस अधिकारी को फटकार लगाते हुये की निजि लीगल कम्पनी से सलाह क्यो ली गई, उन्होने राज्य सरकार के एल.आर.से समान के प्रयोग बारे सलाह लेने को कहा,जिसके बाद केस राज्य सरकार के एल.आर. को भेजा गया है।

सदबुद्धि के लिये छात्रों ने किया हवन

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। नेहरू कालेज पर तीन दिवसीय धरने पर आंदोलनरत छात्रों ने एमडीयू प्रशासन एवं हरियाणा सरकार की सद्बुद्धि के लिए हवन का आयोजन किया है। छात्र दो दिन से धरना देकर कंपार्टमेंट वाले स्टूडेंट का फाइनल ईयर में दाखिले की मांग को लेकर आंदोलन चला रहे थे। तीन दिवसीय धरने पर बैठे युवा आगाज के कार्यकर्ताओं के साथ कॉलेज छात्र भी शामिल थे। धरने के अंतिम दिन एमडीयू और हरियाणा सरकार की सदबुद्धि के लिये पूरे हिन्दु रीति रिवाजों के साथ आयोजित हवन यज्ञ में पंडित ने मंत्रो÷ारण किया और उपस्थित सभी युवाओं ने आहुति डाली। सेक्टर 16ए स्थित नेहरू कॉलेज के सामने एमडीयू रोहतक द्वारा जारी किए गए नए तुगलकी नियमों के खिलाफ छात्र संगठन युवा आगाज ने तीन दिन का धरना शुरू किया था। आंदोलनरत छात्रों और छात्र संगठन से जुडे जसवंत पंवार ने कहा कि छात्रों का भविष्य अधर में हैं। इस मामले में पूरे प्रदेश में आंदोलन की चिंगारी फैली हुई है। छात्रों द्वारा निरंतर धरना-प्रदर्शन और रोड़ जाम के माध्यम से विरोध किया जा रहा है लेकिन एमडीयू रोहतक और हरियाणा सरकार के कान पर जूं तक नहीं रेंग रहा है। इस धरने में मु यरूप से युवा आगाज के संयोजक जसवंत पंवार, महासचिव अजय डागर, विकास, आनंद तंवर, विक्की, प्रिया आदि मौजूद रहे।

आईएमटी फरीदाबाद में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। आईएमटी फरीदाबाद में रविवार को पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान रोटरी क्लब के साथ-साथ कई गणमान्यों ने पौधा रोपण किया। बताया गया कि यह अभियान मानसून को देखते हुए शुरू किया गया है। कार्यक्रम के दौरान लोगों को पेड़ लगाने के प्रति जागरूक किया गया और पेड़-पौधों के महत्व को बताया गया।

रविवार को आईएमटी पार्क में किए गए पौधारोपण के दौरान संपदा अधिकारी विकास चौधरी एचएआइडीसी ने आईएमटी पार्क में पेड़ लगाकर अभियान की शुरूआत की। इस दौरान उन्होनें बताया कि आज पेड़ों को काटकर भवनें बनाए जा रहे हैं। जिससे पर्यावरण को काफी नुकसान हो रहा है। उन्होनें बताया कि आईएमटी में पौधा रोपण इस लिए शुरू किया गया है, ताकि आईएमटी हराभरा रहे और यहां स्वच्छता बरकरार रहे। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को पेड़ लगाने के प्रति जागरूक किया गया। लोगों को बताया गया कि पेड़-पौधा हमारे जीवन में काफी महत्व रखता है।

आईएमटी क्षेत्र में पेड़-पौधे लगाने पर जोर देते हुए आईएमटी के प्रधान पीजेएस सरनों ने कहा कि आईएमटी को स्वच्छ रखना उनका लक्ष्य है। इसलिए वह पेड़-पौधा लगाकर इस क्षेत्र को स्वच्छ और साफ सुथरा रखना चाह रहे हैं। इस दौरान उद्योगपतियों ने पेड़-पौधे लगाने की शपथ ली।

आईएमटी किसानों को मिलने वाले प्लाटों का ड्रा संपन्न

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद।एचएसआईआईडीसी ने आईएमटी (इंडस्टियल मॉडल टाउन) के किसानों को आर.एंड.आर. प्लाटों का 3 दिवसीय ड्रा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो गया। 5 से 7 जुलाई तक चलने वाले इस ड्रा में सभी ग्रामीणों ने हिस्सा लिया।

यह जानकारी देते हुए एचएसआईआईडीसी के संपदा प्रबंधक विकास चौधरी ने बताया कि गांव चंदावली में 568, मच्छगर के 331, मुजैडी के 70, नवादा के 35, सोतई के 55 तथा ऊंचा गांव के 11 किसानों को प्लाट आवंटित कर दिए गए। उन्होंने बताया कि यह ड्रा सैक्टर-12 स्थित हूडा कनवेंशन हॉल में निकाले गए। ड्रा के दौरान किसानों में भारी उत्साह देखा गया और प्रशासन द्वारा निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में किए गए ड्रा की सराहना की। चौधरी ने बताया कि ड्रा की सूचि एचएसआईआईडीसी सैक्टर-31 कार्यालय एवं आईएमटी कार्यालय में ही लगा दी गई है तथा सूची की प्रतियां उपरोक्त गांवों के सरपंचों तथा किसान संघर्ष समिति के पदाधिकारियों को भी मुहैया करवा दी गई हैं। विकास चौधरी ने बताया कि सोमवार को एलओआई (लेटर आफ इंटेंट) किसानों को जारी कर दिए जाएंगे। पत्र प्राप्ति के बाद किसानों द्वारा 15 प्रतिशत प्लाटों की राशि जमा करवानी होगी। इसके साथ ही विभाग उन्हें पोजेशन लैटर जारी कर देगा। उन्होंने बताया कि किसान प्लाट का भुगतान एक मुश्त या 8 किस्तों में कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

लीडरशिप डेवलपमेंट सेमीनार का आयोजन

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। एलायंस क्लब इंटरनेशनल जिला 150 आर्गनाईजेशन द्वारा लीडरशिप डेवलपमेंट सेमीनार का आयोजन फरीदाबाद स्थित गोल्फ क्लब में किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डा. अश्वनी कुमार गुप्ता इंटरनेशनल डाईरेक्टर 2011-14, डा. ब्रिजेन्द सिंह प्रधान कैन्डीन कॉलेज ऑफ एचएमआरसी सहित एलायंस के.जी.अग्रवाल इंटरनेशनल डाईरेक्टर

2015-17, डा. पवन गुप्ता हैड ऑफ कैंसर डिपार्टमेंट जे.पी.अस्पताल नोएडा, वाईस डिस्ट्रिक गर्वनर देवेन्द्र अधाना, सुभाष गोयल, मीरा कपूर पीआरओ, केबिनेट सैक्रेटरी सुनील अग्रवाल, हरविनर गुप्ता आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का आयोजन पुनीत मिश्रा डिस्ट्रिक गर्वनर द्वारा किया गया था। सेमीनार को सम्बोधित करते हुए सभी वक्ताओं ने अपने अपने सम्बोधन में मोटीवेशन एवं लाईफ स्टाईल को किस तरह से संयोजित रखा जाये पर अपने अपने विचार दिये। सभी ने एक स्वर में कहा कि स्वास्थ्य एवं शरीर सबसे अधिक जरूरी है। और अगर हम अपने शरीर का घ्यान रखेंगे तो अवश्य ही हम दूसरों की भी मदद कर सकते है। उन्होंने कहा कि हम सभी को मोटीवेशन के जरिये हमें दूसरों को प्रेरित करना चाहिए कि हमें दूसरो का सहयोग एवं दूसरो की मदद करने में अपनी अहम भूमिका निभानी चाहिए। इस अवसर पर आये हुए सभी अतिथियों का फूलों के बुके देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर सेमीनार के आयोजक डिस्ट्रिक गर्वनर पुनीत मिश्रा ने कहाकि एलांयस क्लब को बुलंदियों पर ले जाना ही उनका व उनकी टीम का एक मात्र ध्येय है एवं क्लब समय समय पर इस तरह के सेमीनारों का आयोजन कर लोगों को काफी जानकारी देती रहेगी। उन्होंने आये हुए सभी अतिथियों का फूलों के बुके देकर स्वागत किया। इस अवसर पर राजीव कपूर, मनीषा जैन, मनोज जैन सहित फरीदाबाद, रेवाडी, पलवल, दिल्ली एलायंस क्लब के पदाधिकारियों व सदस्यों ने हिस्सा लिया।

टॉपर बच्चे किए सम्मानित

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। आईसीएसआई फरीदाबाद में आयोजित समारोह में फाउंडेशन परीक्षा के टॉपर बच्चों को स मानित किया गया है। फरीदाबाद चैप्टर अध्यक्ष प्रवीण रांका ने जानकारी देते हुए बताया कि सेक्टर 16 ए स्थित आईसीएसआई फरीदाबाद में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि क्यूआरजी अस्पताल के मार्केटिंग हैड अश्वनी बवेजा ने अपने संबोधन में अपने अनुभव बताते हुए कहा कि कार्पोरेट सेक्टर में प्रक्टिंग कंपनी सचिव के लिए बहुत अच्छे अवसर हैं। उन्होंने कहा कि क्यूआरजी ग्रुप भी सदैव प्रबंधन के क्षेत्र में कौशलयुक्त युवाओं को बढ़ावा देने में अग्रणी रहा है। ऑल इंडिया में 13 वीं रैंक और फरीदाबाद में अव्वल रहने वाली लूनिका नाशा, 5 15 वीं रैंक एवं फरीदाबाद में दूसरे स्थान पर रहने वाली आस्था शैली, ऑल इंडिया में 22 वीं रैंक और जिले में तीसरे स्थान पर रहने वाली ऋतु खंडेलवाल, 23 वीं रैंक एवं जिले में चौथे स्थान पर रहने वाली सि मी राणा को स मानित किया गया। कार्यक्रम में सीएस पीसी जैन नने का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर सीएस वनिता अरोड़ा, आरके वर्मा,सीएस विनित जैन, सीएस ऋतु कथूरिया, सीएस जसप्रीत,मधु,बृजेश शर्मा, मक्खन लाल रैगर, अरविंद कुमार सहित सीएस छात्र मौजूद थे।

भारतीय जनता पार्टी पाली मण्डल की बैठक सम्पन्न

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी पाली मण्डल की बैठक मदन लाल जांगडा की अध्यक्षता में मंडल कार्यालय पर सम्पन्न हुई। इस बैठक में विशेष रूप से जिला सचिव श्रीमती किरण सौरोत, जिला कार्यकारिणी सदस्य श्री वीर सिंह नैन विशेष रूप से

उपस्थित थे। जिसमें मण्डल कार्यकारिणी की घोषणा की गयी। सीताराम शर्मा, दशरथ डागर, पैवन हैजाला, राजेन्द्र अग्रवाल, डा. रिशी जांगडा, व श्रीमती रामचेती को उपाध्यक्ष। प्रीतम वर्मा, मुन्ना लाल महासचिव, जागेश्वर गुप्ता कोषाध्यक्ष, अमन तिवारी, हरवीर सिंह, अनिल लोहिया, मुकेश कश्यप, मुकेश पांचाल सचिव व गुरूचरण को मीडिया प्रभारी बनाया गया है व बेदराम शर्मा, नरेन्द्र विधुडी, भारत भडाना, सुबे सिंह बडगुजर, मुकेश डागर, देशराज डागर, प. भूप सिंह कौशिक को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया गया है व श्री मामचंद शर्मा, परम लाल, देविन्द्र, रघुराज गौड, चौ. राजवीर सिंह, भगवत वर्मा, डब्बू वैष्णव, गिर्राज सिंह, महेश वर्मा आदि मौजूद थे।

27 जुलाई को फूंकेगे केजरी का पुतला

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। वोटर्स पार्टी कार्यालय पर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन हुआ जिसमें निर्णय लिया गया 27 जुलाई 2016 जंतर मंतर पर आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल का पुतला जलाया जाएगा यह जानकारी वोटर्स पार्टी के हरियाणा प्रदेश संयोजक सहीराम रावत ने अपने साथियों को दी और कहा 27 जुलाई को हम देश के लोगों को यह भी बताएंगे इन 64 साल की राजनीतिक आजादी में देश के लोगों ने क्या खोया और नेताओं ने क्या पाया है अब समय आ गया है सब धर्म को न्याय की राजनीति का जो जिम्मेदारी वोटर्स पार्टी लेती है सहीराम रावत ने यह भी कहा की यह देश पहली ऐसी पार्टी है जो वोटरों से पार्टी द्वारा किए गए वायदों की समय सीमा तय कर लिखित एग्रीमेंट करेगी एग्रीमेंट टूटने की स्थिति मै वोटर्स को अधिकार होगा कि वह अपने चुने गए प्रतिनिधि को वापस बुला सकेंगे।

हरियाली व खुशहाली के लिए पौधों का होना जरूरी : गुर्जर

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। जीवन में चारों तरफ हरियाली और खुशहाली के लिए हमारे जीवन में पौधों का होना बहुत जरूरी है। यह विचार आज सैक्टर-28 में वृक्षारोपण के दौरान केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री एवं फरीदाबाद के सांसद कृष्णपाल गूर्जर ने व्यक्त किए। इस अवसर पर भाजपा नेता देवेन्द्र चौधरी, कौशल बाटला,अजय बैसला, हिमांशु अग्रवाल, दीपक महत्ता व मोक्ष गुप्ता उपस्थित थे।

श्री गूर्जर ने सैक्टर-28 में विभिन्न सडक़ों व पार्कों में छायादार व फलदार पौधों का वृक्षारोपण किया। उन्होंने कहा कि पेड़ हमे जीवन देते हैं। पेड़ों से ही बारिश होती है और इनसे हमे फल के साथ-साथ गर्मियों से बचने के लिए गहरी छाया भी मिलती है। उन्होंने इस मौके पर क्षेत्रवासियों से अपील की कि वो इस बरसात के मौसम में हर व्यक्ति कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए तथा उनकी देखभाल भी करे। उन्होंने इस मौके पर पेड़ लगाओ-बेटी

बचाओं का नारा भी दिया। उन्होंने कहा कि विपक्ष हमारी सरकार के विकास कार्यों को देख कर पूरी तरह बौखला गया है।

उन्होंने कहा कि फरीदाबाद शहर को स्मार्ट सिटी के दृष्टिगत सभी पार्कों के सौन्दर्यकरण व नवीनीकरण के लिए 15 करोड़ रूपये की राशि खर्च की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी पार्कों में कोटा स्टोन लगाकर पार्कों का सौन्दर्यकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सैक्टर-28 से सैक्टर-37 तक के पार्कों का सौन्दर्यकरण व नवीनीकरण कार्य तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा कि सैक्टर-31 के टाऊन पार्क में सौन्दर्यकरण का कार्य भी तेजी से चल रहा है। पूरे क्षेत्र में नये प्रकार बिजली के खम्बे लगाकर स्ट्रीट लाईटे लगाई जा रही है। चौराहों व पार्कों में हाई मास्क लाईट लगाकर क्षेत्र को चमकाया जाएगा। इसी कड़ी में भाजपा नेता कौशल बाटला ने सैक्टर-29 में सनातन धर्म मन्दिर में 10 लाख रूपये की लागत से बनने वाले सोलर पावर प्लांट का उदघाटन किया।

इस मौके पर सरदार चरण सिंह, एम.एल. शर्मा, ममता शर्मा, आर.पी. सिंह, शमा भारती, विमल मोहन, वाई.पी. बाटला, कनिका मक्कड़, योगेश कोतरा के अलावा कृषि विभाग के कार्यकारी अभियंता सुरेन्द्र पूनिया, उपमण्डल अधिकारी प्रेमपाल, कनिष्ट अभियंता हवा सिंह व गणमान्य लोग भी मौजूद थे।

'द रेस-अनइंडिंग' उपन्यास का हुआ लोकार्पण

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। जिले की युवा उपन्यासकार सेक्टर-28 निवासी विभा गोयल की 'द रेस-अनइंडिंग' उपन्यास लोकापर्ण रंगारंग कार्यक्रम में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सेक्टर-12 स्थित एसआरएस मॉल के बैंकेट हॉल में किया गया था। युवा उपान्यासकार की हौसला अफजाई के लिए फरीदाबाद शहर के विधायक विपुल गोयल व जिला व सत्र न्यायधीश रोहिणी राजेंद्र कुमार शास्त्री मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित थे। 26 वर्षीय गोयल की रचनात्मक प्रतिभा को देख दोनों आश्चर्यचकित थे। जिस तरह से एक गंभीर विषय रेप पीड़िता पर विभा ने 178 पेज की नॉवेल लिखी है। उन्होंने विभा की पीठ थपथपाकर उसकी तारीफ की।

विधायक गोयल ने कहा कि यह उपन्यास संघर्ष से कुंदन बन समाज में चमकने व दमकने को प्रेरित करती है। जीवन जीने की कला सिखाती है। युवाओं को इसे एक बार जरूर पढ़ना चाहिए। कोई

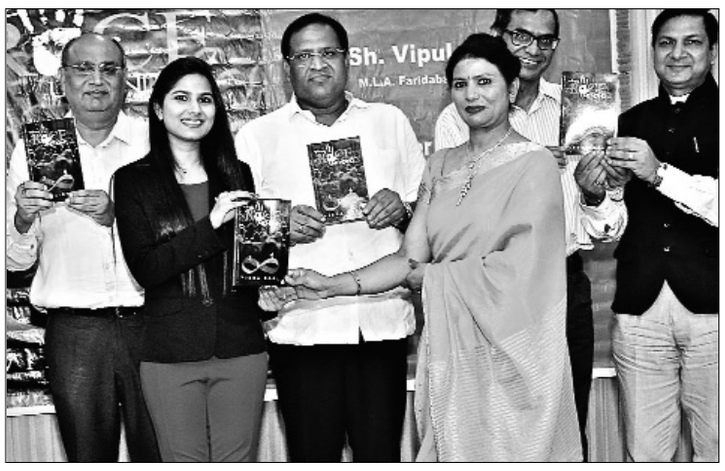

भी घटना जीवन में फुल स्टॉप नहीं है। बल्कि यह आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने विभा के प्रयास की सराहना की। युवाओं को इनसे सीख लेने की अपील की। जिला व सत्र न्यायधीश राजेंद्र कुमार शास्त्री ने कहा कि जहां चाह वहां राह। जीवन के हर पल को आनंद लेने की जरूरत है। द रेस-अनइंडिंग इसके लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि गंभीर विषयों पर सकारात्मक रूप से लिखने की जरूरत है। जब कोई युवा यह प्रयास करता है तो यह एक सराहनीय कदम है। युवा उपन्यासकार विभा ने कहा कि यह सत्य घटना पर आधारित है। हालांकि नाम व स्थान काल्पनिक है। उन्होंने अपने शुरूआत से लेकर लोकापर्ण तक की घटनाओं से सभी को अवगत कराया। करीब दो साल पहले पहली बार उन्होंने अपनी मां सुषमा गोयल से इस विषय पर चर्चा की। मां ने हौसला अफजाई की तो आत्मविश्वास बढ़ा।

एडवोकेट पिता एस सी गोयल व भाई वैभव गोयल ने हर कदम पर इन्हें मदद करते रहे। उन्होंने बताया कि इसमें एक ऐसी लड़की की कहानी है। जिसका रेप हो जाता है। फिर वह कैसे अपने इच्छाशक्ति की बदौलत खड़ी होकर उदाहरण पेश करती है। यह चित्रित करने का प्रयास किया गया है। इसके पूर्व कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का स्वागत एडवोकेट एस सी गोयल व वैभव गोयल ने किया। अतिथियों को स्मृति चिंह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर विभिन्न क्षेत्रों के दिग्गज मौजूद थे।

22 को होगा आंखों की जांच कैंप

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। मानव सेवा समिति 22 जुलाई को आँखों की जांच व आप्रेशन का केम्प लगाएगी, इसके अलावा सरकारी स्कूलों में पौधारोण का कार्यक्रम आयोजित करेगी। यह निर्णय मानव सेवा समिति की कार्यकारिणी में लिए गए।

समिति के अध्यक्ष पवन गुप्ता की अध्यक्षता में समिति के सेक्टर-10 स्थित कार्यालय मानव भवन में आयोजित इस बैठक में समिति के चेयरमैन अरुण बजाज, चेयरमैन प्रोजेक्ट गौतम चौधरी, महासचिव

कैलाश शर्मा, उपाध्यक्ष एस.सी. गुप्ता, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र जग्गा सहित अन्य प्रबंधकों ने भाग लेकर जनहित में कई निर्णय लिए। लिये गए निर्णयों की जानकारी देते हुए महासचिव कैलाश शर्मा ने बताया कि डा. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र एम्स नई दिल्ली के डॉक्टरों के सहयोग से 22 जुलाई को आर्य समाज मंदिर पथवारी मंदिर ओल्ड फरीदाबाद में मोतिया बिंद आप्रेशन का केम्प लगाया जाएगा। केम्प में सिर्फ 200 मरीजों के आँखों की जांच पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। आप्रेशन एम्स नई दिल्ली में मुफ्त किए जाएंगे। इसके अलावा समिति द्वारा सरकारी स्कूलों में पौधारोपण करके उन्हें वृक्ष बनाने के लिए समिति के सदस्यों को गोद दिया जाएगा। 4 अगस्त को महिला सैल द्वारा तीज का कार्यक्रम टिम्पी फार्म सेक्टर-10 में किया जाएगा।

आंगनवाड़ी वर्कर्स ने उपायुक्त कार्यालय पर किया प्रदर्शन

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती मेनका गांधी द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने की घोषणा पर अमल न होने से नाराज आंगनवाड़ी वर्कर्स एवं हैल्पर्स ने आज उपायुक्त कार्यालय पर आक्रोश प्रदर्शन किया। अखिल भारतीय आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के आह्वान पर मांग दिवस के अवसर पर आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। आंगनवाड़ी वर्कर्स एण्ड हैल्पर्स यूनियन हरियाणा की प्रधान देवेन्द्री

शर्मा की अध्यक्षता में हुए इस प्रदर्शन के दौरान माननीय मंत्री के नाम ज्ञापन जिला उपायुक्त की गैर मौजूदगी में जिला विकास पंचायत अधिकारी को 16 सूत्रीय मांग-पत्र दिया गया। यूनियन की नेताओं ने सरकार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर माननीय मंत्री की घोषणा को शीघ्र लागू नहीं किया और अन्य मांगों का समाधान नहीं हुआ तो देशभर की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता 2 सितम्बर की राष्ट्रव्यापी हड़ताल करेंगी। उन्होंने केनद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर 9 अगस्त को सीएम सिटी करनाल में हो रही महारैली में भी बढ़-चढ़कर भाग लेने का ऐलान किया। प्रदर्शन को सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के महासचिव सुभाष लाम्बा ने सम्बोधित करते हुए आरोप लगाया कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाली सरकार के राज में आंगनवाड़ी वर्कर्स एवं हैल्पर्स को कई-कई माह तक मानदेय व आंगनवाड़ी केन्द्रों के किराए तक का भुगतान नहीं हो रहा है। उन्होंने आंगनवाड़ी वर्कर को तीसरे व हैल्पर को चौथे दर्जे का सरकारी कर्मचारी बनाने की अधिसूचना जारी करने, जब तक 18 हजार रुपए न्यूनतम वेतनमान व 500 रुपए वर्दी भत्ता देने की मांग को प्रमुखता से उठाया।

समाज में भाईचारे का संदेश देती है ईद : रावत

प्रभात अर्जुन

फरीदाबाद। पृथला विधानसभा क्षेत्र के पूर्व भाजपा प्रत्याशी नयनपाल रावत ने कहा है कि भारत देश त्यौहारों का देश है हम सभी एक दूसरे के त्यौहारों में शरीक होते हैं उसी प्रकार ईद पर भी हम सभी को आपसी गिले सिकवे भुलाकर एक दूसरे को गले लगना चाहिए और समाज में अमन चैन की दुआ करनी चाहिए। श्री रावत ईद के पावन पर्व पर पृथला विधानसभा क्षेत्र के मुस्लिम बाहुल्य गांवों बिजोपुर, जखोपुर, खंदावली, लदियापुर, कैली में मुस्लिम समाज के लोगों को ईद की शुभकामनाएं देने के बाद उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। नयनपाल रावत ने कहा कि ईद अमन का संदेश देती है इसलिए हम सभी को भी मुस्लिम

समाज के इस पावन पर्व में शामिल होकर उनकी खुशियां साथ मिलकर बांटनी चाहिए ताकि हमारा भाईचारे को मजबूती मिल सके। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार मुस्लिम समाज के उत्थान के लिए कृतसंकल्पित है और इस समाज को आर्थिक रुप से सुदृढ़ बनाने के लिए नई-नई योजनाएं क्रियान्वित की जा रही है। उन्होंने समाज के लोगों से अपील की कि वह आज के पावन पर्व पर संगठित होकर आपसी एकता का संकल्प लें ताकि समाज में हिन्दु-मुस्लिम समाज का भाईचारा सदैव कायम रह सके। इस अवसर पर श्री रावत ने ईद के मौके पर मुस्लिम समाज के मौजिज लोगों का मुंह मीठा कराया वहीं मुस्लिम समाज के लोगों ने श्री रावत का फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। इस मौक वसरूद्दीन खान, इब्राहिम खान, लाला खान, मुबारिक खान, रहबर खान ब्लाक मेम्बर, जुबैर खान, जाकिर खान, आदिल खान, सद्दाम खान, यशूब खान, साजिद खान, योगेश चौधरी ब्लाक मेम्बर, हुकम दीक्षित, लोकेश फौगाट, अनूप शर्मा सहित अनेकों गणमान्य लोग मौजूद थे।

नुमेरोलॉजिस्ट और टैरो रीडर ने फरीदाबाद का किया नाम रोशन

प्रभात अर्जुन : फरीदाबाद। शहर की नुमेरोलॉजिस्ट और टैरो रीडर ऋचा चुटानी ने दिल्ली में आयोजित पहले हॉलिस्टिक इवेंट में भाग लेकर पूरे भारतवर्ष में फरीदाबाद का नाम रोशन किया है। इस हॉलिस्टिक इवेंट का आयोजन चिल्ली एंटरटेनमेंट और न्यूज नेटवर्क इंडिया द्वारा पंजाबी बाग दिल्ली में किया गया था जोकि भारत में अपनी तरह का पहला कार्यक्रम था। इस इवेंट में दिल्ली, एनसीआर, हरियाणा और पंजाब से टैरो कार्ड रीडर, नुमेरोलॉजिस्ट और रैकी हीलेर्स जैसे कई होलिस्टिक साइंस एक्सपर्ट्स ने भाग लिया। इस इवेंट में फरीदाबाद का प्रतिनिधित्व कर रही नुमेरोलॉजिस्ट और टैरो रीडर ऋचा चुटानी ने बताया कि इस कार्यक्रम के लिए पूरे उत्तर भारत से 8 स्पीकर्स चुने गए थे जिसमें से एक वे स्वयं थी। ऋचा चुटानी ने इवेंट के बारे में अपनी प्रस्तुति को लेकर न्यूमेरोलॉजी के बारे में बात करते हुए बताया कि कैसे एक व्यक्ति के नाम की स्पेलिंग और मोबाइल नंबर का उसकी किस्मत पर असर पड़ता है।

शिक्षा : संस्थाओं की साख का सवाल

शिक्षा एक ऐसी गतिशील प्रक्रिया है, जिसका निर्मल प्रवाह जीवनदायिनी धारा है। जिस समाज और सभ्यता में शिक्षा के इस महत्त्व को समझ लिया जाता है, उसकी प्रगति की राह के हर प्रकार के अवरोध दूर करने के ज्ञान और कौशल से युक्त व्यक्ति सदा आगे आ जाते हैं।

शिक्षा एक ऐसी गतिशील प्रक्रिया है, जिसका निर्मल प्रवाह जीवनदायिनी धारा है। जिस समाज और सभ्यता में शिक्षा के इस महत्त्व को समझ लिया जाता है, उसकी प्रगति की राह के हर प्रकार के अवरोध दूर करने के ज्ञान और कौशल से युक्त व्यक्ति सदा आगे आ जाते हैं। आज शिक्षा की अवश्यकता किसी को भी समझानी नहीं पड़ती है। सरकारी आंकड़े गवाह हैं कि संविधान के निर्देशानुसार चौदह वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को अनिवार्य और निशुल्क शिक्षा देने का प्रबंध कर दिया गया है। प्रमाणस्वरूप यह कहा जाता है कि आजादी के समय की साक्षरता दर अठारह प्रतिशत से बढ़ कर आज पचहत्तर प्रतिशत के ऊपर है, जबकि आबादी में तीन गुने से अधिक बढ़ोतरी हुई है। यह उपलब्धि ध्यान तो आकर्षित करती है, पर एक अन्य उपलब्धि इससे भी बड़ी है। आज हर परिवार अपने बच्चों- लड़के और लड़की दोनों- को अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा, जिसमें नए और उपयोगी कौशलों का सीखना भी शामिल हो, दिलाना चाहता है। आज से पचास-साठ साल पहले ऐसा नहीं था। निस्संदेह यह एक बड़ी कामयाबी है, मगर इसी के साथ देश के सामने एक बड़ी चुनौती भी उभरी है, जिसका समाधान केवल ईमानदार राष्ट्रीय सहमति के आधार पर ही संभव है। पचास और साठ के दशक तक सरकारी स्कूलों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों की साख का लोहा हर तरफ माना जाता था। नैतिकता को जीवन का आधार बना कर जीने वाले अध्यापकों और प्राध्यापकों की उपस्थिति हर तरफ थी। आज के युवा यह सुन कर हैरान रह जाते हैं कि उस दौरान यह सोचना असंभव था कि किसी विश्वविद्यालय का प्राध्यापक ट्यूशन या कोचिंग करेगा! उनके दरवाजे हर उस विद्यार्थी के लिए सदा खुले रहते थे, जिसे किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता हो। देश के हर जिले में 'मिडिल स्कूल' के किसी न किसी नामी-गिरामी हेडमास्टर का नाम लोग अत्यंत सम्मान के साथ लेते थे, जो नियमित पढ़ाने के बाद भी 'दिन-रात' एक करके वार्षिक परीक्षा की तैयारी कराते थे। 'एवजी' पढ़ाने वाले जैसे शब्द तब न संकल्पना में थे और व्यवहार में होने का तो कोई प्रश्न ही नहीं था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान स्कूलों के अध्यापकों ने ही गांधी की वाणी और विचार दूर-दराज के लोगों तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया था। कितनों ने ही यातनाएं सहीं, जेल गए, मगर आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्र प्रेम और मानव मूल्यों का महत्त्व बता गए। अपेक्षा तो यह थी कि जैसे-जैसे शिक्षा का प्रसार होगा, देश विकास और प्रगति के साथ शांति और भाईचारे की ओर भी अग्रसर होगा। जो लोग पंक्ति में अंतिम छोर पर पहुंचा दिए गए थे, उन्हें मानवोचित सम्मान देकर सभी अन्य के साथ बराबरी पर लाया जाएगा और एक समतामूलक समाज बनेगा, जिसमें समरसता और भाईचारे की सुगंध हर तरफ बिखरी होगी। ऐसा न हो पाने के अनेक कारण हो सकते हैं, मगर दूरदृष्टि पूर्ण विश्लेषण सदा यही दर्शाता है कि केवल शिक्षा को सही स्वरूप देने वालों का उचित व्यक्तित्व विकसित कर ही समस्याओं का स्थायी समाधान निकाला जा सकता है। अब यक्ष प्रश्न है कि शिक्षा और उसकी संस्थाओं की साख फिर से कैसे स्थापित की जा सकती है? अध्यापक जब कक्षा में प्रवेश करता है तो वहां वह क्या करता है, कैसे करता है या नहीं करता है, इसका निर्णय उसे खुद करना होता है। उस पर पाठ्यक्रम और परीक्षा जैसे बंधन तो होते हैं, मगर बच्चों से वह कैसे व्यवहार करता है, उनसे कितना आदर पाता है, यह उसकी अपनी योग्यता, कर्मठता और मानवीय मूल्यबोध से निर्धारित होता है, किसी के आदेशों से नहीं। अध्यापकों से की जाने वाली अपेक्षाओं में यह भी शामिल है कि वह खुद पाठ्यक्रम निर्माण कर सके और उसके निर्माण के मूल तत्त्वों से परिचित हो। शिक्षा की साख सुधार में अध्यापक अपना किरदार तभी निभा सकता है जब उसके प्राचार्य और अन्य अधिकारी यह जानें और मानें कि उसकी 'स्वायत्तता' उसे सम्मानपूर्वक प्रदान की जानी चाहिए। 'स्वायत्तता' शब्द का प्रचलन ज्यादातर तो विश्वविद्यालयों से जोड़ कर देखा जाता है, लेकिन व्यावहारिक तौर पर यह वहां भी न अध्यापकों को उपलब्ध होती है और न कुलपति को। गुरुकुल और आश्रम पद्धतियों में यह स्पष्ट रूप से उभरता है कि समाज और राजतंत्र आवश्यक संसाधन तो उपलब्ध कराते थे, मगर क्या कभी किसी राजा ने ऋषि को यह आदेश दिया होगा कि अमुक विषय ही सिखाना है, या अमुक घंटे ही मेरा पुत्र सीखेगा और फिर आराम करेगा? लगभग पूरी शिक्षा को कुछ मूलभूत तत्त्वों के इर्दगिर्द समेटा जा सकता है- 'क्या पढ़ाएं, कैसे पढ़ाएं, कौन पढ़ाएं, कब पढ़ाएं'। इन पर निर्णय लेने का अधिकार किसे होना चाहिए? भारत जैसे विविधताओं वाले देश में जहां प्रजातंत्र की संघीय व्यवस्था संविधान में स्वीकृत है, नीतिगत स्तर पर समरूपता आवश्यक है। इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर सभी की सहमति से शिक्षा नीति निर्धारण भी स्वीकार्य होना चाहिए। कक्षा दस और बारह की बोर्ड परीक्षाओं के स्तर भी समान होने चाहिए, ताकि राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा परीक्षाओं में किसी भी अभ्यार्थी के साथ अन्याय न हो। विश्वविद्यालय के स्तर पर पाठ्यक्रम निर्धारण की स्वतंत्रता केवल कागजों पर न होकर व्यवहार में भी परिलक्षित होनी चाहिए। राष्ट्रीय स्तर की नियामक संस्थाएं अकादमिक सहयोग और मनोबल बढ़ाने के लिए जानी जाएं तो अनेक समस्याओं का समाधान अपने आप हो जाएगा। विश्वविद्यालय को नया पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए दिल्ली के चक्कर लगाने पड़े तो स्वायत्तता का कोई अर्थ नहीं रह जाता है। इसी प्रकार जब राज्य स्तर के संस्थान यह निर्धारित करते हैं कि सारे राज्य में अमुक पाठ अमुक तिथि तक पूरा हो जाना चाहिए, तब अध्यापक का मनोबल नीचे आ जाता है। इस प्रकार के अनेक उदाहरण गिनाए जा सकते हैं। प्रशासनिक स्तर पर अनेक प्रकार की गिरावट व्यवस्था में प्रवेश कर गई है, जिसका समूल उखाड़ फेंका जाना साख स्थापित करने की पहली शर्त है। सरकारी स्कूलों में मानदेय पर अल्पकालीन नियुक्तियां, जोड़-तोड़ के तबादले, राजनेताओं के दबाव, अधिकारियों द्वारा अध्यापकों का तिरस्कार और असम्मान आदि कुछ ऐसे प्रचलन हैं, जो सारे देश में कमोबेश देखे जाते हैं। कोई भी राष्ट्र अपनी भावी पीढ़ी के साथ खिलवाड़ करता है, जब वह बिना अध्यापकों के स्कूल चलता है। विश्वविद्यालयों में पचास-साठ प्रतिशत रिक्त अकादमिक पदों के रहते ऊंची श्रेणी के शोध की अपेक्षा करता है! भारत के समाज में आज भी लोग स्कूलों की मदद करने को आगे आने को उत्सुक हैं। यहां ऐसी परंपरा सदा से रही है। मगर सरकारी तंत्र की अरुचि और निजी तंत्र की शिक्षा से लाभांश कमाने की प्रवृत्ति ने समाज को शिक्षा से और उसके संस्थानों से दूर कर दिया है। आज भी वही संस्थाएं नाम कमा रही हैं, जहां सही नेतृत्व मिल रहा है। अगर कुलपति, प्राचार्य, मुख्य अध्यापक के पद केवल उनकी, योग्यता, कर्मठता, मूल्यपरकता और नेतृत्व क्षमता के आधार पर भरे जाएं तो दो-चार वर्षों में देश में शिक्षा की सूरत बदल सकती है, बिना किसी हंगामे के। लेकिन इसके लिए चाहिए समाज का पूर्ण सहयोग, शासन तंत्र पर बदलाव के लिए दबाव और अध्यापकों पर पूर्ण विश्वास! यह सच है कि किसी भी देश के लोगों का स्तर उनके अपने अध्यापकों के स्तर से ऊंचा नहीं हो सकता है। यह समझ ही वह कुंजी है, जो शिक्षा में नया सवेरा ला सकती है।

खुफिया खतरे

किसी व्यक्ति की फोन पर बातचीत को टैप करने से उठे विवादों से जुड़ी खबरें जब-तब आती रही हैं। लेकिन रविवार को दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने जिस तरह दो निजी जासूसी एजेंसियों का पर्दाफाश किया और चार लोगों को गिरफ्तार किया, वह कानून को ताक पर रख कर सामान्य नागरिकों की आपसी बातचीत की गोपनीयता को भंग करने, उसका कारोबार करने का मामला जरूर है, पर इसके खतरे का दायरा इससे कहीं ज्यादा है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि कोई निजी जासूसी संस्था अपने ग्राहकों को मांगी गई सेवा देने के लिए अगर सरकारी महकमों के संवेदनशील पदों पर बैठे लोगों का इस्तेमाल करती है और वहां से लोगों की बातचीत का सारा ब्योरा निकाल लेती है तो यह सुरक्षा से जुड़ा कितना गंभीर सवाल है। गौरतलब है कि दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा गैरकानूनी तरीके से सीडीआर यानी 'कॉल डिटेल रिकॉर्ड' की बिक्री की एक सूचना की छानबीन में लगी थी। इसी क्रम में उसने दो निजी जासूसी एजेंसियां चलाने वाले चार लोगों को पकड़ा, जिन्होंने उत्तर प्रदेश पुलिस के कानपुर स्थित आइजी ऑफिस में सर्विलांस सेल के तहत काम करने वाले एक पुलिसकर्मी की मिलीभगत से हजारों लोगों की सीडीआर हासिल कर उन्हें ऊंची रकम लेकर बेचा। इसके ग्राहकों में व्यावसायिक प्रतिद्वंद्वी, सामान्य आपसी झगड़ों से लेकर प्रेम संबंधों में पड़े लोगों और विवाह के दोनों पक्ष भी शामिल हैं। इन जासूसी एजेंसियों के ग्राहक किसी व्यक्ति की बातचीत का ब्योरा हासिल करने के लिए इनसे संपर्क करते थे और वहां पांच हजार से लेकर तीस हजार या इससे भी ऊंची रकम वसूल कर उन्हें यह जानकारी मुहैया कराई जाती थी। दरअसल, संचार माध्यमों के क्षेत्र में आधुनिक तकनीकी ने दो लोगों के बीच संवाद को आसान बनाया है। लेकिन तकनीकी का ही सहारा लेकर जब दो लोगों की आपसी बातचीत पर नजर रखी जाती है या उनकी गोपनीयता को दूसरे को बेचा जाता है, तब इसके खतरे भी समझ में आते हैं। न सिर्फ व्यावसायिक प्रतिद्वंद्विता और आपसी झगड़ों में लोग एक दूसरे की गोपनीय जानकारियां हासिल करने के लिए इन जासूसी एजेंसियों का सहारा ले रहे हैं, बल्कि एक आपसी भरोसे पर टिके प्रेम या विवाह जैसे रिश्ते भी अब शक और खुफियागीरी की जद में आ गए हैं। ताजा मामले में सूचनाओं की अवैध बिक्री का जो ब्योरा सामने आया है, वह पहली नजर में किसी निजी जासूसी एजेंसी के लिए एक सामान्य बात लगती है। लेकिन सवाल है कि जो संस्था किसी व्यक्ति को पांच से तीस-चालीस हजार रुपए के बदले सीडीआर बेच रही हो, क्या वह ज्यादा ऊंची रकम के बदले देश की सुरक्षा से जुड़े दस्तावेज हासिल कर उन्हें किसी अवांछित और खतरे का वाहक बनने वाले व्यक्ति या पक्ष को नहीं दे सकती? पकड़े गए लोगों में से एक आदित्य शर्मा को 2013 में अरुण जेटली के सीडीआर निकलवाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और दूसरा जयवीर सिंह राठौड़ फिलहाल एक टीवी समाचार चैनल का मालिक है।

दुरुस्त आयद

सरहद के उस पार से होने वाली गोलीबारी के शिकार नागरिकों को मुआवजा देने का फैसला देर से ही सही, एक दुरुस्त कदम है। आतंकवादी और सांप्रदायिक हिंसा की तरह वे भी ऐसी हिंसा के शिकार होते हैं जिससे उन्हें बचाना राज्य का कर्तव्य है। अप्रैल 2008 से आतंकवादी तथा सांप्रदायिक हिंसा के पीड़ितों को मुआवजा देने की गृह मंत्रालय की नीति चली आ रही है। पर इस नीति में वे लोग शामिल नहीं थे जो सरहदी इलाके में रहते हैं और जब-तब सीमा की दूसरी तरफ से होने वाली गोलीबारी या बमबारी की चपेट में आ जाते हैं। छिटपुट तौर पर उन्हें या उनके परिजनों को भले मुआवजा मिला हो, लेकिन वे मुआवजा संबंधी चली आ रही नीति के दायरे से बाहर थे। ताजा फैसले के जरिए केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक बड़ी नीतिगत विसंगति दूर कर दी है। सांप्रदायिक, आतंकी व नक्सली हिंसा में जान गंवाने वालों के परिजनों को तीन लाख रुपए मुआवजे के तौर पर दिए जाते रहे हैं। केंद्र सरकार ने इस राशि को बढ़ा कर अब पांच लाख रुपए कर दिया है। सीमापार से होने वाली गोलीबारी के पीड़ितों को भी मुआवजे के तौर पर इतनी ही रकम मिलेगी। ऐसी घटनाओं के चलते पचास फीसद या अधिक निशक्तता आने पर या असमर्थता की स्थिति में भी पीड़ितों को पांच लाख रुपए दिए जाएंगे। अलबत्ता मुआवजे के साथ यह शर्त जुड़ी हुई है कि मृतक के परिवार के

किसी सदस्य को केंद्र या राज्य सरकार की तरफ से रोजगार मुहैया न कराया गया हो। सीमा पर गोलीबारी के पीड़ितों के लिए मुआवजे का निर्धारण इसलिए भी जरूरी था कि ऐसी घटनाओं में नागरिकों के जान गंवाने का सिलसिला बना रहा है। यही नहीं, आंकड़े यह भी बताते हैं कि सुरक्षा बलों की तुलना में आम नागरिक ज्यादा मारे गए हैं। जम्मू-कश्मीर सरकार ने पिछले महीने विधानसभा में बताया कि वर्ष 2002 से 2015 तक सीमा पर गोलीबारी की 11,272 घटनाएं हुईं, जिनमें एक सौ उनहत्तर आम नागरिक मारे गए और सात सौ पैंतीस घायल हुए। इसके बरक्स सुरक्षा बलों की बाबत यह आंकड़ा क्रमशः एक सौ चौवालीस और सात सौ पैंतीस का है। यह फर्क साल-दर-साल के अलग-अलग आंकड़ों में भी दिखता है। यह भी गौरतलब है कि सीमा पर गोलीबारी की सबसे ज्यादा घटनाएं 2002 और 2003 में हुई थीं। नवंबर 2003 में संघर्ष विराम समझौता हुआ, और इसका अच्छा परिणाम देखने को मिला। वर्ष 2004 में ऐसी एक भी घटना नहीं हुई। इसके बाद भी सात-आठ साल तक शांति रही। लेकिन 2013 में पाकिस्तान की तरफ से संघर्ष विराम के उल्लंघन की काफी घटनाएं हुईं, और यह सिलसिला थोड़े-बहुत उतार-चढ़ाव के साथ बना रहा है। ऐसी घटनाओं को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच आरोप-प्रत्यारोप चलता रहा है, दोनों तरफ के मीडिया में भी ऐसी घटनाएं सुर्खियों में रहती हैं, उन पर खूब तीखी प्रतिक्रियाएं होती हैं और कई बार तनाव काफी बढ़ जाता है। एक दूसरे को ललकारने और सबक सिखाने के बयान आते हैं। बेशक यह सब दुर्भाग्यपूर्ण है। हालांकि ऐसी घटनाओं को रोकने की पहल भी हुई है। सीमा सुरक्षा बल और पाकिस्तान रेंजर्स के आला अफसरों की कई बार बैठकें हुई हैं और कुछ सहमति भी बनी है। इस सब का एक हद तक सकारात्मक असर ही हुआ है, पर जब तक अपेक्षित नतीजा नहीं आता, सीमा पर निगरानी व सतर्कता बढ़ाने की जरूरत बनी रहेगी

राजनीतिः इराक युद्ध की जवाबदेही

एक ऐसे युद्ध में जिसमें सैनिकों समेत ढाई लाख से ज्यादा लोग मारे गए हों और जिसमें घायलों, विकलांगों, मानसिक आघात झेल रहे सैनिकों और नागरिकों की तादाद उससे भी कहीं ज्यादा हो, जिसका असर सारी दुनिया आज भी भुगत रही हो, अगर उस युद्ध के तेरह साल बाद यह बात पता चले कि युद्ध का कोई औचित्य नहीं था, युद्ध का फैसला ही गलत था, तो क्या आप जंग के गुनहगारों को माफ कर पाएंगे? इराक युद्ध की जांच कर रही चिलकॉट समिति ने सात वर्षों के लंबे इंतजार के बाद हाल ही में ब्रिटिश सरकार को अपनी जो रिपोर्ट सौंपी है, उसमें कहा गया है कि इराक पर हुए अमेरिकी हमले में ब्रिटेन की सहभागिता अपुष्ट तथ्यों पर आधारित थी और उसने युद्ध से पहले शांतिपूर्ण कूटनीतिक विकल्पों पर विचार नहीं किया था। उस वक्त सैनिक कार्रवाई अंतिम विकल्प नहीं थी। तत्कालीन ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने तब के इराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन से संभावित खतरों को अपने देशवासियों के सामने बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया था, जबकि वास्तव में वे आशंकाएं पूरी तरह निराधार थीं। रिपोर्ट में यह दिलचस्प तथ्य भी सामने आया है कि युद्ध में शामिल होने के ब्लेयर के फैसले का कोई दस्तावेज मौजूद नहीं है। दीगर सबूतों से पता चलता है कि ब्लेयर पूरी तरह से तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश के प्रभाव में थे, जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय जनमत की उपेक्षा करते हुए हमले का फैसला किया था। इससे पहले भी कई अध्ययन सामने आ चुके हैं, जो बताते हैं कि इराक पर हमला अंतरराष्ट्रीय नियमों और मानवाधिकारों का खुला उल्लंघन था। साल 2009 में ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री गोल्डन ब्राउन ने पूर्व वरिष्ठ नौकरशाह सर जॉन चिलकॉट को यह जिम्मेदारी सौंपी थी कि वे 2001 से 2009 के बीच इराक को लेकर ब्रिटेन की नीतियों का अध्ययन करें और बताएं कि क्या 2003 में इराक पर हमला करना सही और जरूरी था? बहरहाल, 'द इराक इन्क्वायरी' नाम की इस रिपोर्ट को तैयार करने में जॉन चिलकॉट को सात साल लगे। चिलकॉट ने अपनी रिपोर्ट के दायरे में 2001 से 2009 तक के ब्रिटिश सरकार के नीतिगत फैसलों को शामिल किया और रिपोर्ट पूरी करने के बाद इस नतीजे पर पहुंचे कि इंग्लैंड द्वारा जंग छेड़ने के फैसले में जल्दबाजी की गई। बारह खंडों और छह हजार पन्नों की इस भारी-भरकम रिपोर्ट में यह बात खासतौर से रेखांकित की गई है कि टोनी ब्लेयर को आगाह किया गया था कि इस हमले की एक परिणति गृहयुद्ध और आतंकवाद के रूप में हो सकती है, लेकिन उन्होंने इसकी परवाह नहीं की। युद्ध में अकेले ब्रिटेन के 11.83 अरब यूरो खर्च हुए, लेकिन युद्ध में जाने से पहले उन्होंने खर्च का कोई आकलन मंत्रियों से साझा नहीं किया था। यह

सनसनीखेज रिपोर्ट के आने के बाद ब्रिटेन की लेबर पार्टी (जो उस वक्त सत्ता में थी) के नेता जेरमी कोर्बिन ने इराक और ब्रिटेन, दोनों देशों की जनता से माफी मांगी है, जिन्होंने इस जंग में अपनी जिंदगी का बहुत बड़ा सरमाया खोया है। अलबत्ता बीते साल ही टोनी ब्लेयर खुद सार्वजनिक तौर पर इस जंग के लिए इराक और दुनिया से माफी मांग चुके हैं। साथ ही उन्होंने यह बात भी मंजूर की थी कि 'चरमपंथी इस्लामिक संगठन आइएस के जन्म के लिए कुछ हद तक उन पर इल्जाम लगाए जा सकते हैं। वे सद्दाम हुसैन को हटाने के बाद पैदा होने वाली स्थिति का सही आकलन नहीं कर पाए, जिसका खमियाजा आज भी इराक और सारी दुनिया भुगत रही है।' ब्लेयर ने युद्ध के बाद की रणनीति में हुई खुफिया गलतियों के लिए भी माफी मांगी। हालांकि लड़ाई शुरू करने के अपने फैसले पर उन्हें आज भी कोई अफसोस नहीं है। इस बारे में उनका कहना है कि 'तत्कालीन इराकी शासक सद्दाम हुसैन को सत्ता से हटाने के लिए माफी मांगना मुश्किल है। यदि ऐसा न होता, तो इराक आज का सीरिया बन जाता। अगर इराक पर हमला नहीं किया जाता, तो वहां गृहयुद्ध छिड़ने का खतरा था।' अब सवाल उठना लाजिमी है कि इराक में जिन लोगों ने जंग और जंग के बाद बने हालात में अपनों को खोया है, लेबर पार्टी और टोनी ब्लेयर की माफी क्या उन्हें वापस लौटा देगी। जंग में उनके जो आशियाने उजड़े, वे घर अब कभी नहीं बस पाएंगे। इंसानियत के माथे पर जो अनगिनत जख्म लगे, क्या एक माफी उन्हें मिटा देगी? क्या माफी से उनके गुनाह धुल जाएंगे? रासायनिक हथियार होने के शक पर अमेरिका और ब्रिटेन के नेतृत्व वाले एक गठबंधन की सेना ने 'इराक की आजादी' नामक सैन्य कार्रवाई के तौर पर इराक पर हमला कर दिया था। 19 मार्च 2003 से शुरू हुआ यह युद्ध 1 मई 2003 तक चला। इस दौरान अमेरिकी नौसेना की क्रूज मिसाइलों ने इराक की राजधानी बगदाद समेत कई शहरों पर बम बरसाए। सिर्फ इक्कीस दिनों में बगदाद और इराक के अन्य बड़े शहर अमेरिका के शिकंजे में आ गए। इस युद्ध ने इराक में बड़े पैमाने पर तबाही मचाई थी। ब्रिटिश पत्रिका 'द लांसेट' के एक अध्ययन के मुताबिक '2003 में इराक युद्ध की शुरुआत से लेकर 2011 में अमेरिकी सेना के वापस लौटने तक वहां कम से कम 1,16,000 आम नागरिक मारे गए और गठबंधन सेना के कोई 4,800 सैनिकों ने अपनी जान गंवाई। युद्ध के दौरान देश के स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने वाले ढांचे नष्ट हो गए, जिससे बड़ी संख्या में जख्मी और बीमार इराकियों को उचित स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिल पाईं। लाखों लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा।' जंग से हुई तबाही के अक्स आज भी इराक में जगह-जगह दिखाई देते हैं। इराक जंग से उबरा, तो वह सुन्नी चरमपंथी समूह आइएस के कब्जे में आ गया। आइएस के जन्म के पीछे भी जंग के बाद बने भयंकर हालात थे, जिससे खाद-पानी लेकर आज उसने इराक के साथ-साथ सीरिया के भी एक बड़े हिस्से को अपने खौफनाक शिकंजे में ले लिया है। इराक और सीरिया में आइएस की हिंसा और आतंक का ही नतीजा है कि वहां के स्थानीय लोग अपने ही देश से बड़े पैमाने पर पलायन करने के लिए मजबूर हैं। दुनिया भर में आज जिन इलाकों से सबसे ज्यादा शरणार्थी निकल रहे हैं, उनमें इराक और सीरिया अव्वल हैं। आइएस की बर्बर हरकतों के चलते जहां इराक के पचास लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हो चुके हैं, वहीं सीरिया के हालात उससे भी खराब हैं। संयुक्त राष्ट्र ने वहां विस्थापन शुरू होने के बाद से चालीस लाख से ज्यादा शरणार्थी दर्ज किए हैं। जबकि अपने ही देश में सत्तर लाख लोग आंतरिक विस्थापित के रूप में रह रहे हैं। इस तरह 2011 के बाद से सीरिया की आधी से भी ज्यादा आबादी अपने घरों से विस्थापित हो चुकी है। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश और ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने जो इल्जाम लगा कर इराक पर अमेरिका और ब्रिटेन ने सैन्य कार्यवाई की, वे सभी इल्जाम बाद में झूठे साबित हुए। जंग के बाद इराक में एक भी स्थान पर रासायनिक हथियार नहीं मिले। ब्लेयर ही नहीं, बुश भी इराक जंग के लिए अब अपनी गलती मान चुके हैं। अपनी किताब 'डिसीजन पॉइंट्स' में बुश ने साफ जिक्र किया है कि इराक युद्ध में उनसे कई भारी गलतियां हुईं। किताब में वे एक जगह लिखते हैं, 'कार्यकाल के आखिरी दिनों में मैंने खुद को एक डूबते जहाज के कप्तान जैसा महसूस किया।' अमेरिका की पूर्व विदेशमंत्री मैडेलीन अलब्राइट ने भी इस बात को माना था कि 'इराक युद्ध अमेरिका की सबसे बड़ी भूल थी, जिसका खमियाजा हम अब भी भुगत रहे हैं।' इराक जंग को लेकर बुश और ब्लेयर भले ही अपने-अपने देशवासियों और दुनिया भर को गुमराह करते रहे हों, लेकिन इस जंग की असली वजह सब जानते हैं। तेल व अन्य ऊर्जा संसाधनों पर नियंत्रण की हवस में तथा क्षेत्रीय वर्चस्व हासिल करने की अपनी वृहत्तर योजना के तहत अमेरिका और ब्रिटेन ने उस वक्त के खाड़ी के समृद्ध देश इराक पर सैन्य कार्रवाई की थी। इराक में जंग शुरू हुई तब से लेकर आज तक वहां की सरजमीं स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय सत्ता-संघर्ष का केंद्र बनी हुई है, जहां न तो सुरक्षा है और न ही आर्थिक स्थिरता। यही वजह है कि यहां के लोग अब अपने देश को छोड़ कर भाग रहे हैं। एक जंग ने पूरे देश को ही तबाह करके रख दिया। पूछा जा सकता है कि अमेरिका, ब्रिटेन और उनके सहयोगी देशों को संयुक्त राष्ट्र की मंशा और आइएइए की रिपोर्ट को ताक पर रख कर जंग शुरू करने के लिए क्या युद्ध-अपराधी नहीं मानना चाहिए? इराक में जनसंहारक हथियारों की मौजूदगी के बारे में झूठ बोल कर बुश और ब्लेयर ने एक बड़ा अपराध किया था।

लेकिन उस अपराध की उन्हें कहीं भी सजा नहीं मिली। इराक पर हमले के बाद ही इराक और सीरिया में गृहयुद्ध की पृष्ठभूमि बनी और इसी वजह से पश्चिम एशिया में बड़े पैमाने पर विवाद शुरू हुए। इराक जंग की ही वजह से एक कट्टरपंथी विचारधारा का विस्तार न सिर्फ मुसलिम बहुल देशों तक हुआ, बल्कि इससे पश्चिम के देश भी नहीं बच पाए। जाहिर है, इसकी पूरी जवाबदेही बुश और ब्रिटिश ब्लेयर की है। इन दोनों के ही ऊपर युद्ध अपराध का माकूल मामला बनता है।

स्वात्वाधिकारी (मुद्रक, प्रकाशक, मालिक व सम्पादक) मनोज भारद्वाज द्वारा नीलू प्रींटिंग प्रैस, प्लॉट नं. 3/1, टीसीसी, कॉम्प्लेक्स, सेक्टर 10 फरीदाबाद-121006 से छपवाकर मुख्य कार्यालय बी 2403 गली नं. 8 25 फुट रोड़ एसजीएम नगर एन.एच.4 एन.आई.टी फरीदाबाद से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं.-HARHIN/2012/41589
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा।

केंद्रीय वित्त एवं कंपनी मामले मंत्री श्री अरुण जेटली नई दिल्ली में बीएसई के 140 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर स्मारक टिकट जारी करते हुए।

राज्य को हरसंभव मदद देगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली। चार अफ्रीकी देशों की यात्रा पूरी कर मंगलवार सुबह स्वदेश लौटने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के हालत की समीक्षा की। उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता पीएम मोदी ने की और यह बैठक दो घंटे से ज्यादा चली । इस हाई लेवल मीटिंग में खुफिया विभाग और एनएसए प्रमुख भी शामिल हुए। बैठक के बाद कश्मीर को केंद्र सरकार की तरफ से हर संभव मदद देने की बात कही गयी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कश्मीर में शांति बनाए रखने की लोगों से अपील की है।

उन्होंने कहा कि कश्मीर में किसी निर्दोष को कोई नुकसान नहीं पहुंचे। बैठक में प्रधानमंत्री को घाटी के घटनाक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, जहां शुक्रवार को वानी की मौत के बाद से हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। इस दौरान सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच संघर्ष में मरने वालों की तादाद 24 हो गई है। बैठक में गृह मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री अरूण जेटली, विदेश मंत्री सुषमा स्वराज, रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल और विदेश सचिव एस जयशंकर सहित अन्य लोगों ने शिरकत की। इस बीच कश्मीर के बिगड़ते हालात की वजह से गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने अपना अमेरिकी दौरा रद्द कर दिया है। राजनाथ 17 जुलाई को अमेरिका में सुरक्षा को लेकर होने वाली बैठक में शामिल होने वाले थे।

जम्मू कश्मीर के हालात पर कल रात एक महत्वपूर्ण बैठक में पर्रिकर, जेटली और डोवाल ने शिरकत की थी। डोवाल प्रधानमंत्री के साथ दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर गए थे, पर उनसे एक दिन पहले ही वापस लौट आए। मंत्रियों को केन्द्रीय सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों ने घाटी में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि तमाम बलों से अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और सीमा के इर्द गिर्द सतर्कता बढ़ाने को कहा गया है ताकि हालात का फायदा उठाकर किसी तरह की ताजा घुसपैठ पर अंकुश लगाया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

नेशनल हेराल्ड केस : सोनिया-राहुल को राहत

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड केस में दिल्ली हाईकोर्ट से सोनिया गांधी और राहुल गांधी को बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने मंगलवार को ट्रायल कोर्ट के फैसले को पलटते हुए कहा, "CRPC के सेक्शन 91 के तहत कोई भी ऑर्डर देने से पहले आरोपी पार्टी को भी सुना जाना जरूरी है। बता दें कि ट्रायल कोर्ट ने कांग्रेस और एसोसिएट जर्नल लिमिटेड (छ्वरु) को इनकम टैक्स की बैलेंस शीट और अलग-अलग मिनिस्ट्री से मिले डॉक्युमेंट सौंपने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा- ÷इस मामले में आरोपी पार्टी को नहीं सुना गया।

सुब्रमण्यम स्वामी ने जिस कैजुअल तरीके से एप्लिकेशन लगाई, ट्रायल कोर्ट ने भी उसी तरीके से आदेश जारी कर दिए। स्वामी यह नहीं बता पाए कि मांगे गए डॉक्युमेंट्स की ट्रायल के दौरान क्या अहमियत है। स्वामी इन डॉक्युमेंट्स की जरूरत को भी गवाहों की लिस्ट से कनेक्ट नहीं कर पाए। हालांकि हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि स्वामी चाहें तो इस आदेश के खिलाफ अपील कर सकते हैं। ट्रायल कोर्ट ने 11 मार्च को नेशनल हेराल्ड मामले में बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी की मांग मान ली थी। अपनी मांग में स्वामी ने कांग्रेस और एसोसिएट जर्नल लि. के टैक्स, बैलेंस शीट और फाइनेंशियल लेन-देन से मिले डॉक्युमेंट मांगे थे।ट्रायल कोर्ट ने सभी संबंधित डिपार्टमेंट्स को आदेश जारी कर इन डॉक्युमेंट्स की कॉपी स्वामी को देने के आदेश दिए थे। इन डॉक्युमेंट्स में फाइनेंस मिनिस्ट्री, अर्बन डेवलपमेंट मिनिस्ट्री, कांग्रेस और एजेएल से जुड़े डॉक्युमेंट मांगे गए थे। एमएम लवलीन की कोर्ट ने इस मामले में स्वामी की अर्जी और दलील सुनने के बाद अपना फैसला सुनाया था। बहस के दौरान स्वामी ने कहा था कि उनकी अर्जी सही है और ये डॉक्युमेंट्स मामले की सुनवाई के लिए जरूरी हैं।

'शिक्षकों के लिए जवाबदेही की व्यवस्था की जाएगी'

पुणे। मानव संसाधन विकास मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने राष्ट्र निर्माण और शिक्षा के बदलाव में शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण करार देते हुए रविवार को कहा कि शिक्षकों के लिए शिक्षा व्यवस्था में 'जवाबदेही' का प्रावधान किया जाएगा। मानव संसाधन विकास मंत्रालय का कार्यभार संभालने के बाद पहले सार्वजनिक कार्यक्रम में जावड़ेकर को यहां फर्ग्यूशन कॉलेज में शिक्षाविदों ने सम्मानित किया।

इस मौके पर जावड़ेकर ने कहा, 'कई सारे मुद्दे और चुनौतियां हैं। शिक्षा के क्षेत्र में मुद्दों का निवारण करने के लिए हमें एक टीम के तौर पर काम करना होगा ताकि शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता को सुधारा जा सके। इस प्रक्रिया में शिक्षकों को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।' मंत्री ने कहा कि शिक्षकों को छात्रों को बड़े सपने देखने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए तथा उनको जीवन की कुशलता, तकनीकी कौशल और उच्च मूल्य प्रदान करना चाहिए।

बांग्लादेश ने Peace TV के प्रसारण पर रोक लगाई

ढाका। बांग्लादेश की सरकार ने भारत के विवादास्पद धर्म प्रचारक जाकिर नाइक के पीस टीवी चैनल के प्रसारण पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस तरह की खबरें आने के बाद पीस टीवी पर प्रतिबंध लगाया गया है कि उसके 'भड़काऊ' भाषण से प्रेरित होकर कुछ आतंकवादियों ने देश के एक कैफे पर हमला किया। उद्योग मंत्री आमिर हुसैन अमू ने कहा कि मुंबई के प्रचारक के 'पीस टीवी बांग्ला' पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय कानून-व्यवस्था पर कैबिनेट समिति की विशेष बैठक में लिया गया जिसकी अध्यक्षता उन्होंने खुद की। अमू ने संवाददाताओं से कहा कि बैठक में वरिष्ठ मंत्रियों और शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों ने हिस्सा लिया जिसमें शुक्रवार को नमाज के दौरान भाषण की निगरानी करने का निर्णय किया गया कि क्या कोई भड़काऊ भाषण दिया गया या नहीं। समझा जाता है कि नाइक के भाषण से प्रेरित होकर कुछ बांग्लादेशी आतंकवादियों ने एक जुलाई को ढाका के एक रेस्तरां में 22 लोगों को मार डाला जिसमें अधिकतर विदेशी नागरिक थे। मंत्री ने कहा कि सरकार ने देश के इमामों से अपील की है कि इस्लाम के वास्तविक विचारधारा के मुताबिक व्याख्यान दिए जाएं जिसमें आतंकवाद और चरमपंथ की निंदा की गई है।

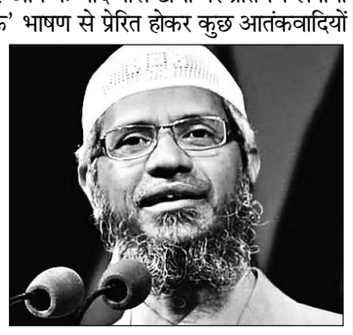

अफसर ने युवती से पूछा, 'पक्का इंडियन हो'

नई दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर एक मणिपुरी युवती से एयरपोर्ट अफसर के दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। युवती ने फेसबुक के माध्यम से लोगों को अपने साथ हुई आपबीती शेयर की है और पूछा कि उसे क्या करना चाहिए। मणिपुर की रहने वाली मोनिका के फेसबुक पोस्ट के मुताबिक घटना शनिवार रात 9 बजे टर्मिनल-3 की है। मोनिका सोल जाने के लिए कड़ी में दिल्ली के आईजीआई पहुंची थीं। इस दौरान इमिग्रेशन डेस्क पर एक अफसर ने उनके साथ बदसलूकी की। मोनिका के मुताबिक, अधिकारी ने उनसे पूछा, पक्का इंडियन हो? देश में कितने राज्य हैं? मणिपुर से किन-किन राज्यों की सीमा लगी है? घटना की जानकारी मिलने के बाद विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने युवती से ट्विटर पर माफी मांगी है।

IS के हैदराबाद मॉड्यूल का चीफ अपने सहयोगी के साथ गिरफ्तार

हैदराबाद। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आज आतंकी गुट आईएस के हैदराबाद मॉड्यूल के दो प्रमुख सदस्यों को गिरफ्तार किया है। एजेंसी ने इस मॉड्यूल का भंडाफोड़ पिछले माह किया था। तेलंगाना खुफिया विभाग के सूत्रों ने बताया 'आईएस के हैदराबाद मॉड्यूल के प्रमुख यासिर नियामतुल्ला और उसके एक सहयोगी अताउल्ला रहमान को एनआईए ने यहां से गिरफ्तार किया है।' रहमान मॉड्यूल के लिए धन जुटाता था। गौरतलब है कि एनआईए ने 29 जून को शहर के पांच लोगों को एक आतंकी मॉड्यूल के साथ कथित संलिप्तता और बम हमलों की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया था। इस आतंकी मॉड्यूल के आईएसआईएस से जुड़े होने का संदेह है। गिरफ्तार किए गए लोगों के नाम मोहम्मद इब्राहिम यजदानी उर्फ इब्बू, हबीब मोहम्मद उर्फ सर, मोहम्मद इलयास यजदानी, अब्दुल्ला बिन अहमद अल अमूदी और मुजफ्फर हुसैन रिजवान हैं। इन लोगों को ओल्ड सिटी इलाके में 10 स्थानों पर हैदराबाद पुलिस की सहायता से मारे गए छापों के बाद गिरफ्तार किया गया था।

इससे पहले एनआईए ने अदालत में दाखिल अपनी रिमांड रिपोर्ट में कहा था कि पांचों आरोपियों ने हिंसक आतंकी हमलों को अंजाम देने के लिए हथियार और विस्फोटक सामग्री हासिल की थी और यह लोग आईएसआईएस के संपर्क में थे। शुरूआती जांच के बाद 22 जून को एनआईए ने हथियार एवं विस्फोटक सामग्री एकत्र कर देश के विभिन्न हिस्सों में सार्वजनिक स्थलों, धार्मिक स्थलों और संवेदनशील सरकारी इमारतों को निशाना बना कर ''सरकार के खिलाफ युद्ध की आपराधिक साजिश'' रचने के लिए एक प्राथमिकी दर्ज की थी।

एजेंसी के अनुसार, गिरोह विस्फोट करने के लिए आईईडी बना रहा था और उसे उसके एक आका से ऑनलाइन दिशानिर्देश मिल रहे थे। आशंका है कि यह आका इराक या सीरिया में रहता है। विस्फोटक सामग्री के साथ एनआईए ने छापेमारी के दौरान दो आधुनिक पिस्तौलें, गोलाबारूद, टेलीस्कोप की सुविधा वाली एक एयरगन, निशानेबाजी का अभ्यास करने वाले टॉरगेट बोर्ड्स, छह लैपटॉप, करीब 40 मोबाइल फोन, 32 सिम कार्ड, कई हार्ड डिस्क, मेमरी कार्ड, पैन ड्राइव और टैब सहित कई डिजिटल गैजेट जब्त किए थे।

आतंकी वानी की मौत से पाकिस्तान के पीएम नवाज शरीफ को पहुंचा 'गहरा सदमा'

इस्लामाबाद। कश्मीर में हिंसा पर 'चुप्पी साधने' के लिए विपक्ष की आलोचना झेल रहे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने कश्मीर में हिज्बुल मुजाहिदीन के कमांडर बुरहान वानी की सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मौत पर 'हैरत' जताते हुए इसके विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों के खिलाफ 'अत्यधिक' बल प्रयोग की भर्त्सना की है। लंदन से ओपन हार्ट सर्जरी करवाकर लौटे शरीफ ने देर रात बयान जारी कर कश्मीर में भारतीय सुरक्षा बलों की कार्रवाई की निंदा की।

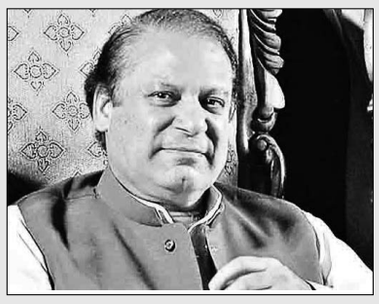

शरीफ के कार्यालय से जारी इस वक्तव्य में कहा गया, 'कश्मीरी नेता बुरहान वानी समेत घाटी के अन्य नागरिकों के भारतीय सेना और अर्धसैनिक बलों के हाथों मारे जाने पर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री को गहरा सदमा पहुंचा है।' शरीफ ने कहा है कि वानी की मौत के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों के खिलाफ ''अत्यधिक और गैरकानूनी ढंग से बल प्रयोग किया गया है जो निंदनीय है।' उन्होंने कहा, 'इस तरह के दमनकारी कदम जम्मू-कश्मीर की जनता को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संकल्पों के आलोक में आत्म निर्णय के उनके अधिकारों का इस्तेमाल करने से विचलित नहीं कर सकते हैं।' कश्मीर के अलगाववादी नेताओं को नजरबंद किए जाने पर चिंता जाहिर करते हुए शरीफ ने कहा कि भारत को अपने मानवाधिकार दायित्व और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संकल्पों के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं का पालन करना चाहिए। सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों के बाद मौत का आंकड़ा 23 तक पहुंच चुका है। बीते शुक्रवार को हिज्बुल के कमांडर वानी की मुठभेड़ में मौत के बाद अलगाववादी प्रायोजित हड़ताल के बाद घाटी में कर्फ्यू जैसे प्रतिबंध लगा दिए गए थे।

'राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मामलों में कोई समझौता नहीं हो सकता'

नई दिल्ली। हिजबुल कमांडर बुरहान वानी की मौत पर कश्मीर में मचे बवाल के बीच कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों में कोई समझौता नहीं हो सकता । हालांकि उन्होंने संघर्ष में लोगों की जान जाने पर भी क्षोभ व्यक्त किया। सोनिया गांधी ने इस बात का उल्लेख किया कि पिछले दो दशकों से भी अधिक समय में जम्मू कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया को बल मिला है और 'ये बेकार नहीं जाना चाहिए।' एक बयान में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी मामलों पर 'कोई समझौता नहीं' किया जा सकता और आतंकवाद से कड़ाई से निपटा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ' इसके बावजूद हमारे इतने सारे नागरिकों की मौत और सुरक्षा बलों पर हमले पीड़ादायक हैं।' घाटी के लोगों से अपील करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि वे राजनीतिक दलों को 'उनकी आकांक्षाओं को सार्थक तरीके से पूरा करने के ठोस और स्थायी समाधान को शांतिपूर्ण तथा लोकतांत्रिक तरीके से ढूंढने दें ।' कश्मीर में शुक्रवार को मुठभेड़ में वानी की मौत के बाद प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुए संघर्ष में 23 लोग मारे गए हैं । राज्यसभा में विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद ने भी घाटी में कानून व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति पर चिंता जाहिर की और कहा कि 'बड़ा नुकसान हुआ है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती' जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री आजाद ने कहा कि और अधिक लोगों की जान जाने से पहले जल्द से जल्द कानून व्यवस्था की बहाली सुनिश्चित करना वक्त की जरूरत है । आजाद ने हिंसा में घायल 200 से अधिक नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की।

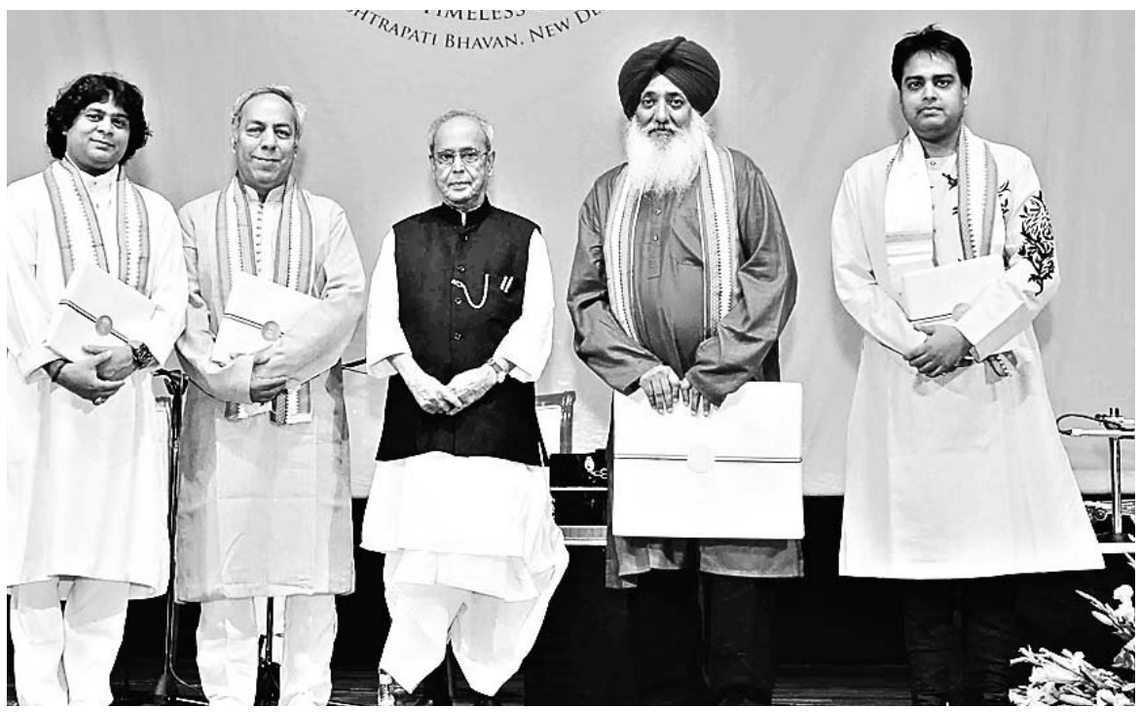

राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में श्री मदन गोपाल सिंह द्वारा एक सूफी संगीत की प्रस्तुति के दौरान उपस्थित।

MP में बाढ़ से अब तक 22 लोगों की मौत

भोपाल। मध्य प्रदेश के कई जिलों में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही तेज बारिश और बाढ़ से पिछले 24 घंटे में और सात लोगों की मौत हुई है। प्रदेश में अभी तक वर्षा और बाढ़ जनित हादसों में कुल 22 लोग मारे गए हैं। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में लगभग पूरे प्रदेश में भारी वर्षा होने की आशंका जताई है।

मुख्यमंत्री प्रेस प्रकोष्ठ के एक अधिकारी ने आज बताया कि बाढ़ और वर्षा जनित हादसों की वजह से प्रदेश में अब तक कुल 22 लोगों की मौत हुई है जबकि नौ लोग लापता हैं। इनमें भोपाल और जबलपुर जिलों में पांच-पांच, विदिशा में तीन और रायसेन, रीवा, सागर, मंडला, टीकमगढ, सिवनी, दमोह, सीहोर, और आगर मालवा जिले में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है।

उन्होंने बताया कि बाढ़ से प्रदेश में सबसे अधिक 80,000 लोग भोपाल में प्रभावित हुए हैं। इसके बाद शाजापुर जिले में 50,000, जबलपुर जिले में 45,000, सतना जिले में 25,000, हरदा जिले में 25,000 और पन्ना जिले में 21,000 लोगों सहित पूरे प्रदेश में करीब 3,32,400 लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ प्रभावितों के लिए प्रदेश में 68 राहत शिविर बनाए गए हैं। इनमें 15,810 लोगों को आश्रय दिया गया है। भोपाल के 14 राहत शिविरों में 6,710, हरदा के 18 शिविरों में 2,000, सीहोर के आठ राहत शिविरों में 2,000, विदिशा के सात शिविरों में 1,400, और सतना के पांच शिविरों में 1,265 लोगों को रखा गया है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में तेज बारिश और बाढ़ से 2,360 मकान ध्वस्त हो गए हैं जबकि 17,263 मकान आंशित रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार एक जून से 10 जुलाई तक हुई वर्षा के आधार पर प्रदेश में 34 जिलों में सामान्य से अधिक, 11 जिलों में सामान्य, पांच जिलों में कम तथा एक जिले में अल्प वर्षा दर्ज की गई है।

राहत उपायुक्त के अनुसार, गुना, नीमच, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन, शाजापुर, राजगढ़ और आगर-मालवा जिलों में अनेक स्थानों पर 11 जुलाई को भारी और बहुत भारी वर्षा होने की जानकारी मिली है। इसी तरह श्योपुर, भोपाल, इंदौर, रायसेन, झाबुआ, अलीराजपुर, होशंगाबाद, हरदा, धार, खरगोन, खंडवा, शिवपुरी, जबलपुर, नरसिंहपुर, विदिशा, देवास और अशोक नगर जिले में कुछ जगहों पर भारी वर्षा होने पूर्ण आशंका है।

भारत बनाएगा 'सुपर सुखोई' फाइटर प्लेन

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के बेड़े में अब जल्द ही 'सुपर सुखोई' शामिल होने वाला है। भारत और रूस एकसाथ मिलकर 5वीं जनरेशन का फाइटर प्लेन तैयार करेंगे। सुखोई का यह संस्करण पहले के मुकाबले ज्यादा ताकतवर होगा जो दुश्मनों को धूल चटाने में अहम भूमिका निभाएगा। भारत-रूस के साथ इस रुके हुए प्रोजेक्ट पर बातचीत आगे बढ़ाने की तैयारी में है। इसके तहत भारत 5वीं जेनरेशन के लिए फाइटर प्लेन और सुखोई जेट (30MKI) को सुपर सुखोई में बदलने के लिए रूस से समझौता करेगा। भारत का ये सुपर सुखोई बेहतर टेक्नोलॉजी के साथ और ज्यादा वेपन्स ले जाने में सक्षम होगा। रक्षा मंत्री मनोहर पर्रिकर ने बताया कि देश के लिए सुखोई की उपयोगिता 60 फीसदी तक बढ़ गई है। जबकि यह पहले 46 फीसदी ही थी। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य इसकी उपयोगिता को 75 फीसदी तक करना है। सुखोई को बेहतर बनाने के लिए रूस, हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स और भारतीय वायुसेना मिलकर काम करेंगे। सभी मिलकर सुपर सुखोई बनाएंगे। सुखोई के लिए तकनीकी जरूरतों को इस साल के अंत तक पूरा कर लिया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत और फ्रांस के बीच अब जल्द ही गोलीबारी करने वाले 36 जेट के लिए करीब 7.8 बिलियन यूरो की डील करने जा रहा है, लेकिन रक्षा मंत्रालय का मानना है कि देश की अभेद सुरक्षा के लिए 36 लड़ाकू विमान काफी नहीं हैं।

गर्भवती महिलाओं के लिए संतरा बेहद लाभकारी

■ गर्भवती महिलाओं तथा यकृत रोग से ग्रसित महिलाओं के लिए संतरे का रस बहुत लाभकारी होता है। इसके सेवन से जहाँ प्रसव के समय होने वाली परेशानियों से मुक्ति मिलती है, वहीं प्रसव पीड़ा भी कम होती है। बच्चा स्वस्थ व हृष्ट-पुष्ट पैदा होता है।

■ संतरे का सेवन जहाँ जुकाम में राहत पहुँचाता है, वहीं सूखी खाँसी में भी फायदा करता है। यह कफ को पतला करके बाहर निकालता है।

■ संतरे के सूखे छिलकों का महीन चूर्ण गुलाब जल या कच्चे दूध में मिलाकर पीसकर आधे घंटे तक लेप लगाने से कुछ ही दिनों में चेहरा साफ, सुंदर और कांतिमान हो जाता है। कील मुँहासे-झाइयों व साँवलापन दूर होता है।

■ संतरे के ताजे फूल को पीसकर उसका रस सिर में लगाने से बालों की चमक बढ़ती है। बाल जल्दी बढ़ते हैं और उसका कालापन बढ़ता है।

■ संतरे के छिलकों से तेल निकाला जाता है। शरीर पर इस तेल की मालिश करने से मच्छर आदि नहीं काटते।

■ बच्चे, बूढ़े, रोगी और दुर्बल लोगों को अपनी दुर्बलता दूर करने के लिए संतरे का सेवन अवश्य करना चाहिए।

■ संतरे के मौसम में इसका नियमित सेवन करते रहने से मोटापा कम होता है और बिना डायटिंग किए ही आप अपना वजन कम कर सकते हैं।

■ इस तरह संतरा सेहत को ही नहीं, हमारी खूबसूरती को भी संवारता है। हमेशा पके व मीठे संतरे का ही सेवन करना चाहिए। गर्मियों में संतरे की फसल अपने पूरे शबाब पर होती है।

टेंशन को कहें टाटा...

मोगरा : यूँ तो यह गर्मियों का एक खास खुशबूदार फूल है। इसकी भीनी-भीनी महक तन-मन को ठंडक का एहसास भी कराती है। इसके फूलों को रुमाल या वस्त्रों के अंदर रखने से ठंडी ताजगी अनुभव होती है। पसीने की बदबू हटाने के लिए 8 ताजे फूलों को आधा प्याला पानी में अच्छी तरह मसल लें, इस पानी का लेप पूरे शरीर पर मलें। त्वचा मोगरे की ठंडी-ठंडी खुशबू से महकने लगेगी। हाँ, आप चाहें तो स्नान के लिए बाल्टीभर पानी में 5-6 मोगरे के फूल मसलकर भी स्नान कर सकती हैं। त्वचा में सनसनाती प्राकृतिक ठंडक का एहसास होने लगेगा।

गुलाब : यूँ तो गुलाब त्वचा का सौन्दर्य निखारने में सदियों से माहिर है। गुलाब के फूलों की पत्तियाँ त्वचा को पोषण देती हैं, त्वचा के रोम-रोम को सुगंधित बनाती हैं, ठंडक प्रदान करती हैं। गुलाब के 2 फूलों को पीसकर, आधा प्याले कच्चे दूध में 30 मिनट तक भिगोएँ, फिर इस लेप को आहिस्ता-आहिस्ता त्वचा पर मलें, सूखने पर ठंडे-ठंडे पानी से स्नान कर लें। शरीर की त्वचा नर्म, मुलायम और गुलाबी आभायुक्त दिखाई देगी। गर्मियों में गुलाब के फूलों का रस चेहरे पर मलने से चेहरे पर ठंडी-ठंडी ताजगी बनी रहती है।

केवड़ा : यूँ तो यह एक बेहतरीन खुशबू का फूल है। इसके इत्र की तासीर ग्रीष्म में तन को शीतलता प्रदान करती है। केवड़े के पानी से स्नान करने से शरीर की जलन व पसीने की दुर्गंध से भी छुटकारा मिलता है। गर्मियों में नित्य केवड़ायुक्त पानी से स्नान करने से शरीर में शीतलता बनी रहती है।

गेंदा : इसके पीले केसरिया फूल त्वचा को निखारने में विशेष उपयोगी है। स्किन टॉनिक बनाने के लिए 5 गेंदे के ताजे फूलों की पत्तियों को एक प्याला पानी में भिगो दें। 3 घंटे उपरांत पत्तियों को पानी में मसलकर छान लें। इस पानी का लेप त्वचा पर करें। थोड़ी देर बाद स्नान कर लें।

उफ यह कमर दर्द

कमर दर्द के कारण व उपचार

■ कमर दर्द का मुख्य कारण मांसपेशियों पर अत्यधिक तनाव होता है।
■ जोड़ों में खिंचाव से भी यह होता है।
■ कैल्शियम की कमी से हड्डियाँ कमजोर हो जाती हैं।
■ अधिक वजन होने से भी कमर दर्द होता है। प्रसव के बाद स्त्रियों को योगाभ्यास शुरू कर देना चाहिए।
■ गलत तरीके से बैठने से कमर दर्द होता है। हमें सीधा बैठना व सीधा चलना चाहिए।
■ लेटकर टी.वी. देखना, लेटकर पढ़ना भी दर्द का मुख्य कारण है।
■ ऊँची एड़ी के जूते पहनने से कमर दर्द हो सकता है।
■ बिस्तर रूई या टाट का होना चाहिए। कुर्सी अधिक नरम नहीं होना चाहिए।
■ तनाव के कारण भी दर्द होता है।
■ व्यायाम या योगाभ्यास नहीं करने वालों को भी कमर दर्द होता है।
■ रसोईघर का प्लेटफार्म उपयुक्त ऊँचाई पर होना चाहिए अन्यथा दर्द हो सकता है।
■ गलत तरीके से खड़ा रहना, कार चलाना, काम करना, व्यायाम करना, योगाभ्यास करना, सोना, भारी सामान उठाना आदि भी दर्द का कारण हो सकता है।

कमर दर्द को रोकने के लिए निम्नलिखित क्रियाएं लाभदायक हैं

■ सीधा चलना, सीधा बैठना, लेटकर नहीं पढ़ना, टी.वी. आदि लेट कर नहीं देखना।
■ भारी चीजों को या किसी सामान को नीचे से उठाते समय अपनी उम्र के अनुसार, पहले घुटने को झुकाकर फिर उठाना चाहिए।
■ कार चलाते वक्त सीट सख्त होना चाहिए व स्टेयरिंग के पास बैठना चाहिए।
■ खड़े रहते समय पैरों के आगे के भाग पर वजन रखकर खड़े होना चाहिए।
■ पेट के बल नहीं सोना चाहिए। करवट से सोते वक्त घुटने को थोड़ा मोड़कर सोना चाहिए।
■ अधिक काम करने के बाद थोड़ा आराम करना चाहिए।

हॉट सीजन के हर्बल ड्रिंक्स

रसीले शर्बतों का मौसम

गर्मियों के मौसम में पानी की कमी होना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। पानी की कमी को केवल पानी ही दूर कर सकता है। पर केवल पानी ही प्यास बुझाने के लिए काफी नहीं होता। शरीर में नमी अधिक देर तक बनी रहे इसके लिए कई प्राकृतिक विकल्प मौजूद हैं।

लौकी का रस

गर्मियों के मौसम में लौकी का रस शीतलता प्रदान करने वाला चमत्कारिक पेय है। यूनानी चिकित्सा पद्धति में लौकी का रस गर्मियों के मौसम की मार से बचाने के लिए सबसे अधिक मरीजों को सुझाया जाता है। यह विटामिन सी और बी-6 का बहुत अच्छा स्रोत है। इसमें आवश्यक खनिज जैसे कैल्शियम, आयोडीन, मैग्नेशियम, फास्फोरस और पोटेशियम भी भरपूर होते हैं। सुबह खाली पेट एक गिलास लौकी का रस दिन भर के लिए शीतलता प्रदान करता है। इसमे एक चुटकी नमक डालने से शरीर में सोडियम की कमी नहीं होती। यह प्यास को शांत करता है तथा संतुष्टि देता है। पेट रोग तो इससे दुरुस्त होते ही हैं।

आम का पना

गर्मियों के मौसम का राजा फल है आम, लेकिन आम से पहले कैरियाँ आने लगती हैं। पोदीने के साथ इसे पीसकर पिया जाता है। लू लगने से बचने के लिए आम का पन्हा सर्वश्रेष्ठ उपाय माना जाता है। इसमें विटामिन-सी, बी-1, बी-2, और नियासीन होते हैं। इससे नमक और लौह तत्वों की कमी नहीं होने पाती। हाजमा दुरुस्त रखने में भी आम का पन्हा बेजोड़ होता है।

गन्ने का रस

ग्लूकोज का यह सबसे बड़ा स्रोत माना जाता है। एक गिलास गन्ने के रस से तत्काल ऊर्जा मिलती है। गर्मियों की भीषण धूप और पसीने के कारण शरीर से निकल रहे खनिज लवणों की आपूर्ति भी इससे होती है। लौह तत्वों का बड़ा स्रोत माना जाता है। यदि आप मधुमेह के रोगी हैं तो इसे चिकित्सक की सलाह से लें।

रूह अफ्जा

रूह अफ्जा यूनानी पद्धति से बनाया गया शरबत है जो भारतीय उपमहाद्वीप में प्यास बुझाने का आदर्श पेय माना जाता है। इसमें प्रयुक्त जड़ी बूटियाँ शरीर में पानी के स्तर को बनाए रखने में मदद करती हैं। यह निर्जलन एवं लू लगने जैसी मुसीबतों से भी बचा लेता है। यह दस्त, पेटदर्द, बदहजमी आदि से भी निजात दिलाता है।

नीबू शरबत

चिलचिलाती धूप एवं गर्मी से बेहाल शरीर को तत्काल यह दम से भर देता है। नींबू शरबत से शरीर को आवश्यक नमक और शक्कर के रूप में ऊर्जा मिल जाती है। विटामिन सी का तो इसे खजाना ही कहा जाता है। इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक प्रणाली मजबूत हो जाती है।

पपीते का रस

पपीते का रस माँसाहारियों ओर कमजोर हाजमें वाले रोगियों के लिए मुफीद होता है। जिन मरीजों कों प्रोटीन पचाने के लिए आवश्यक एन्जाइम सप्लिमेंट्स चाहिए यह उनमें मदद करता है। गर्भवती महिलाओं को इसे नहीं पीना चाहिए।

नारियल पानी

पानी वाला नारियल समूचे उत्तर भारत में मिलता है। इससे अधिक तेजी से तरोताजा करने वाला कोई ड्रिंक अब तक नहीं बना है। कच्चे हरे नारियल के एक गिलास पानी को सर्वश्रेष्ठ प्राकृतिक हैल्थ ड्रिंक माना जाता है। शरीर से विषैले पदार्थों को निकाल बाहर करने में यह बेजोड़ है।

भारत ही नहीं विश्व भर में आकर्षण का केंद्र है यह मंदिर

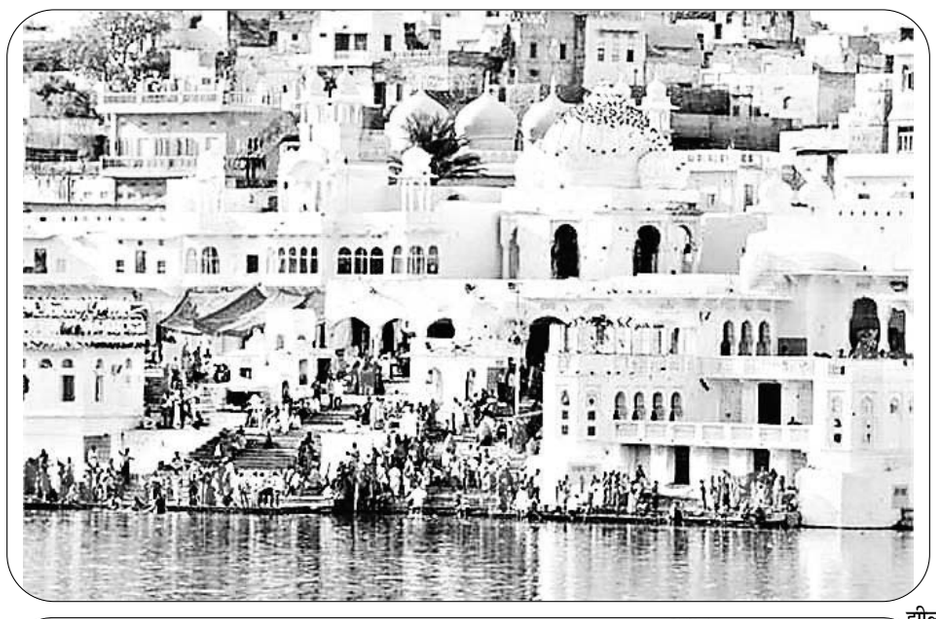

झील

राजपूताना शान, धार्मिक सौहार्द तथा हजूर वाजा चिश्ती साहिब की दरगाह के लिए समूचे भारतीय उपमहाद्वीप में वियात अजमेर शहर से मात्र 14 कि.मी. की दूरी पर स्थित है श्री पुष्कर तीर्थ जहां विश्व में ब्रह्मा जी का एकमात्र मंदिर विद्यमान है। यूं तो सारा पुष्कर ही, अपने आप में पुष्कर के आसपास बसा हुआ है जो अपने अति मनमोहक घाटों के लिए आकर्षण का केंद्र है परंतु यह भी एक रोचक तथ्य है कि भारत बल्कि विश्व में जगत पिता ब्रह्मा जी का एकमात्र मंदिर भी यहीं है। हालांकि यहां ब्रह्मा जी के मुय मंदिर का निर्माण 2000 पूर्व हुआ माना जाता है परंतु सफेद संगमरमर तथा लाल पत्थर के बने वर्तमान मंदिर का निर्माण आज से लगभग 700 वर्ष पूर्व हुआ था। हंस की लाल रंग की मूर्ति वाले इस मंदिर के शिखर का फर्श चांदी के सिक्के जड़ कर बनाया गया है। पद्म पुराण की कथानुसार एक बार ब्रह्माजी ने देखा कि वज्रनाभन नामक एक क्रूर राक्षस जनसाधारण तथा साधुजनों को कई त्रासदियां देने के बाद जब वह खुद स्वयं ही अपने बच्चों की हत्या करने लगा तो इस पर क्रोधित होकर ब्रह्मा जी ने अपना कमल उस दैत्य के गले पर दे मारा। उधर पुष्प की पत्तियां टूट कर पुष्कर में तीन स्थानों पर जा गिरीं जिससे वहां तीन जलाशयों का निर्माण हो गया जिन्हें ज्येष्ठ पुष्कर, मध्य पुष्कर तथा कनिष्क पुष्कर के नाम से जाना जाता है। वास्तव में ब्रह्मा जी के हाथ से पुष्प के गिरने से ही इस क्षेत्र का नाम 'पुष्कर' प्रसिद्ध हुआ।

इसके बाद ब्रह्मा जी द्वारा यहां विश्व कल्याण हेतु यज्ञ का आयोजन किया गया, परंतु अन्य राक्षसों द्वारा इस यज्ञ में किसी भी व्यवधान को रोकने के लिए पुष्कर के चारों ओर चार पर्वत उत्तर में नीलगिरी, पूर्व में सूर्यगिरी, दक्षिण में रत्नागिरी तथा पश्चिम में संदोधरा पर्वत का निर्माण कर दिया गया तथा कई देवताओं को उन पर पहरे के लिए बिठा दिया गया। मान्यता है कि कार्तिक मास में पुष्कर तालाब में नहाने से कई पाप धुल जाते हैं।

श्री पुष्कर राज तीर्थ की भूमि को पुण्य अर्जित करने की भूमि भी माना जाता है। मान्यतानुसार श्री पुष्कर तालाब के जल को श्रद्धा भावना से ग्रहण करने से शिव भक्ति की प्राप्ति होती है। त्रिदेवों श्री ब्रह्मा, विष्णु, महेश में से ब्रह्मा जी तथा भगवान शिव के इस तीर्थ के निकट मां अंबिका जी का मंदिर है, जिसे देवी के 51 शक्तिपीठों में शुमार किया जाता है। इन्हीं कारणों से इस महान तीर्थ को तीर्थराज के नाम से भी जाना जाता है। भारत तथा सारे ही उपमहाद्वीप के सभी प्राचीन शहरों में इस शहर का भी शुमार किया जाता है हालांकि आज भी यहां की आबादी एक लाख से भी कम है।

हिन्दू धर्म की पुनर्जागृति के महान उद्देश्य से किए गए अपने भारत भ्रमण के दौरान श्री आदि शंकराचार्य जब यहां आए तो इतने बड़े तीर्थ में बने मंदिर को जीर्ण-शीर्ण अवस्था में देखा। आदि शंकराचार्य ने ही इस स्थान पर आकर्षक मंदिर बनाने तथा पुनर्निर्माण की व्यवस्था में अपना महत्वपूर्ण योगदान डाला। श्री पुष्कर राज तीर्थ की प्रचलित प्रथाओं में से एक प्रथा यह भी है कि इस मंदिर के मूल गर्भगृह में गृहस्थ (विवाहित) पुरुषों का प्रवेश निषेध है। गृहस्थ पुरुष दूर रह कर मंदिर प्रांगण में दूर से ही भगवान ब्रह्मा की पूजा इत्यादि कर सकते हैं। यह स्थान भारत ही नहीं बल्कि विश्व भर में लाखों सैलानियों के आकर्षण का केंद्र है, जो यहां प्राचीन सांस्कृतिक विरासत

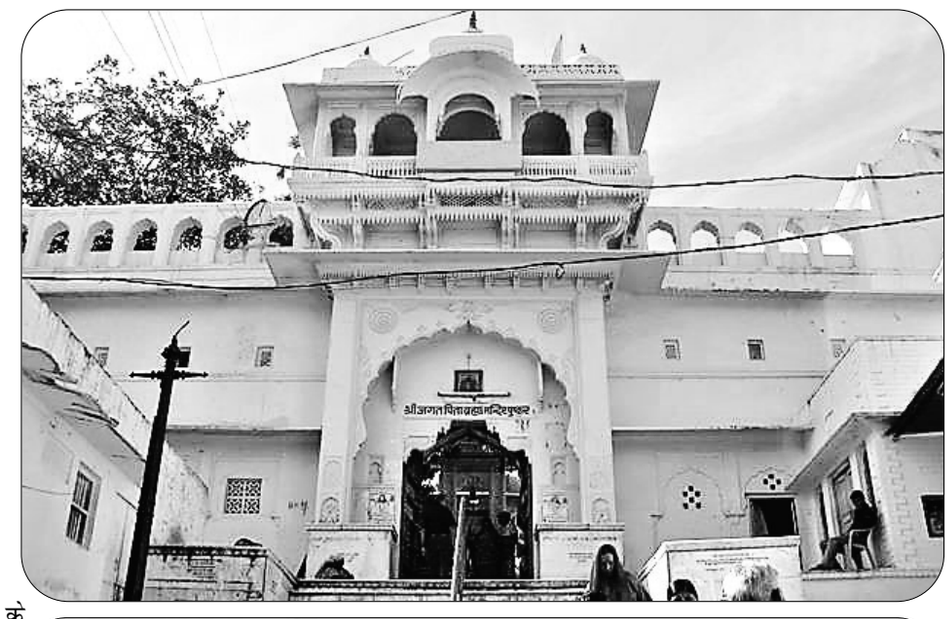

के

मेला

दर्शन तथा मानसिक शांति प्राप्त करने के उद्देश्य से आते हैं। यहां आयोजित किया जाने वाला विश्व प्रसिद्ध पुष्कर अपने रंगों तथा भव्यता के लिए सारे संसार में डंका बजाता है और यह विश्व में ऊंटों का सबसे बड़ा मेला भी है।

मां लक्ष्मी करती हैं इस रसोई की देखरेख

जगन्नाथपुरी को कलियुग में पवित्र धाम माना गया है। पौराणिक मान्यताओं में चारों कोनों में स्थित चारों धाम चार युग के प्रतीक माने जाते हैं। कलियुग में जगन्नाथपुरी को विशेष महत्ता दी गई है

जगन्नाथपुरी को कलियुग में पवित्र धाम माना गया है। पौराणिक मान्यताओं में चारों कोनों में स्थित चारों धाम चार युग के प्रतीक माने जाते हैं। कलियुग में जगन्नाथपुरी को विशेष महत्ता दी गई है।

कहा जाता है कि यहां भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा राधा और श्रीकृष्ण का युगल स्वरूप है। श्रीकृष्ण, भगवान जगन्नाथ के ही अंश स्वरूप हैं। इसलिए भगवान जगन्नाथ को ही पूर्ण ईश्वर माना गया है।

लक्ष्मी की देखरेख में रसोई

जगन्नाथ मंदिर का एक बड़ा आकर्षण यहां की रसोई है। विश्व की सबसे बड़ी रसोई के रूप में यह ख्यात है। इस विशाल रसोई में भगवान को चढ़ाया जाने वाला महाप्रसाद तैयार होता है।

लगभग 500 रसोइए और उनके 300 सहयोगी इस रसोई में ईश्वरीय अनुकंपा से महाप्रसाद तैयार करते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस रसोई में जो भी भोग बनाया जाता है, उसका निर्माण माता लक्ष्मी की देखरेख में ही होता है। भोग निर्माण के लिए मिट्टी के बर्तनों का उपयोग किया जाता है।

रथ में धातु का उपयोग नहीं

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा के लिए रथों का निर्माण पूर्ण रूप से लकड़ियों से ही होता है। इसमें कोई भी कील या कांटा, किसी भी धातु का नहीं लगाया जाता। यह एक धार्मिक कार्य है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ता रहा है।

रथों का निर्माण %वनजगा% महोत्सव से प्रारम्भ होता है तथा लकड़ियां चुनने का कार्य इसके पूर्व वसन्त पंचमी से शुरू हो जाता है। पुराने रथों की लकड़ियां भक्तजन श्रद्धापूर्वक खरीद लेते हैं और अपने-अपने घरों की खिड़कियां, दरवाजे आदि बनवाने में इनका उपयोग करते हैं।

खुद का मकान चाहते हैं या शांतिपूर्वक घर में रहना

मानव सर्वश्रेष्ठ प्राणी है, अतः सुख शांतिपूर्वक रहने के लिए आवास में वास्तु की जरूरत होती है। नए घर के निर्माण के लिए भूमि चयन, भूमि परीक्षा, भूखंडों का आकार-प्रकार, भवन निर्माण विधि एवं पंच तत्वों पर आधारित कमरों का निर्माण इत्यादि बातों के बारे में जानकारी आवश्यक है।

जन्म कुंडली में चौथे भाव पर शुभ ग्रहों के अभाव व भावेश के बलाबल के आधार पर मकान सुख के बारे में जानकारी प्राप्त होती है तथा चौथे भाव भावेश अथवा इन पर दृष्टि डालने वाले ग्रहों अथवा चौथे भाव भावेश का स्वामी जिस नक्षत्र पर हो, उस नक्षत्र स्वामी की दशा-अंतर्दशा से मकान का सुख प्राप्त होता है। मकान का सुख व शांतिपूर्वक रहने के लिए निम्न बातों की जानकारी आवश्यक है।

मंत्र

ओम नो वैश्वानर वास्तु रुपाय भूपति एवं मे देहि काल स्वाहा।

भूखंड का आकार आयताकार, वर्गाकार, चतुष्कोण अथवा गोलाकार शुभ होता है।

भूमि परीक्षण के क्रम में भूखंड के मध्य में भूस्वामी अपने एक हाथ से लंबा-चौड़ा व गहरा गड्ढा खोदकर उसे उसी मिट्टी से भरने पर मिट्टी कम हो जाने से अशुभ लेकिन सम या मिट्टी शेष रहने में उत्तम जानें। दोष-निवारण के लिए उस गड्ढे में अन्य जगह से शुद्ध मिटी लाकर भर दें। खुदाई करने पर चूडियां, ऐनक, सर्प, बिच्छू, अंडा, पुराना कोई वस्त्र या रूई निकले तो अशुभ जानें। निवारण के लिए उपरोक्त मंत्र को कागज में लिख कर सात बार पढ़कर पूर्व दिशा में जमीन में गाड़ दें।

अन्य विशेष बातें

❍ जगह की ढलान उत्तर अथवा पूर्व दिशा में हो तथा मकान के चारों ओर घेराव की दीवार में पश्चिम दक्षिण दिशा क

दीवार मोटी व ऊंची होनी चाहिए।

❍ मोरी अथवा नाली के पानी की निकासी उत्तर या पूर्व दिशा में हो।

❍ मुख्य दरवाजा उत्तर अथवा पूर्व दिशा में पूरी लंबाई के नौ भाग करके 7वें भाग में अथवा दाईं ओर से 5वां भाग व बाईं ओर से 3 भाग छोड़कर शेष चौथे भाग में हो।

❍ कुआं, बोरिंग, हैंडपम्प, पानी का रख-रखाव, पूजा, मनोरंजन स्थल, जन स्थल, कोषागार, स्वागत कक्ष उत्तर/पूर्व ईशान्य में हो।

❍ रसोई घर, रेडियो, टी.वी., हीटर, जैनरेटर, विद्युत के मुख्य उपकरण, स्विच बोर्ड, फ्रिज, आग्रेय दक्षिण पूर्व कोण में हों।

❍ शयन कक्ष, शौचालय, शस्त्रागार, भारी, वजनी सामान, अलमारी, फर्नीचर, सोफा सैट दक्षिण पश्चिम दिशा में हों।

❍ भोजनकक्ष, अध्ययन कक्ष, पश्चिम में हों।

❍ धनागार, पशुस्थल, नौकरों का निवास स्थान, साइकिल, कार वाहन का स्थान, वायव्य अर्थात उत्तर, पश्चिम कोण में हो।

❍ भंडार गृह उत्तर दिशा में हो।

❍ छत पर टैंकों दक्षिण-पश्चिम दिशा (नैत्रह्य कोण) में हो लेकिन सैप्टिक टैंक, भूमिगत नाली अथवा गड्ढा न हो।

❍ सीढ़ी दक्षिण दिशा में हो तथा चढ़ाव के समय मुख उत्तर या दक्षिण दिशा में हो।

❍ घर के उत्तर/पूर्व में बड़े पेड़ न होकर दक्षिण/पश्चिम में हों।

❍ गृह का विस्तार चारों ओर से करें।

❍ मुख्य द्वार से बाहर निकलते समय दाहिनी ओर घड़ी के कांटे की दिशा में खुलना चाहिए।

❍ कमरों के बीच का भाग खुला हो।

❍ घर में तिजोरी, द्रव्य संग्रह पूर्व अथवा उत्तरमुखी होना चाहिए और व्यापारिक संस्थानों में कैश काऊंडर का उत्तर की ओर मुंह हो।

❍ हाल में टैलीफोन उत्तर दिशा में रखें।

❍ पूजा स्थान में महाभारत के रथ, फोटो, प्राणी पक्षी के चित्र अथवा वास्तु पुरुष की प्रतिमा न रखें।

मकान में दोष

आपके जन्म कुंडली के लग्नेश व चतुर्थेश बलवान होकर शुभभाव में हों तथा लग्न, लग्नेश चतुर्थेश पर शुभ ग्रहों का प्रभाव हो तथा पाप व निर्बल ग्रहों की युति दृष्टि अथवा कोई प्रभाव न हो तो वास्तु संबंधी उपरोक्त कोई भी नियमों का पालन करने की जरूरत नहीं है। मकान में सुख-शांति बनी रहेगी।

ये 7 उपाय हों साथ तो जिंदगी बन सकती है खास

वास्तु जिंदगी पर कैसे प्रभाव डालता है? इस बात को आप आजमा कर ही समझ सकते हैं। भले ही वास्तु के उपाय भले ही छोटे-छोटे होते हैं, लेकिन जिंदगी में ये बहुत कारगर सिद्ध होते हैं।

ऐसे ही कुछ वास्तु उपाय आजमाकर, जिंदगी को खुशनुमा बनाया जा सकता है।

पूजाघर में बांसुरी रखना बहुत शुभ माना जाता है।

यदि घर में मछलीघर रखते हैं तो इसे ईशान के समीन रखें। शयनकक्ष में बैड के सामने शीशा न रखें। यदि मजबूरी हो तो इसे ढककर रखें। घर के मालिक का शयनकक्ष हमेशा दक्षिण या नैत्रह्य कोण में होना चाहिए। यदि यह संभव नहीं हो तो उसका बिस्तर नैत्रह्य कोण में लगाएं। घर में हंसता बच्चा किसे अच्छा नहीं लगता इसीलिए शयनकक्ष में हंसते बच्चे के चित्र लगाएं। ऐसा करना शुभ होता है।

स्वागत कक्ष में सोफे दरवाजे के एकदम सामने न रखें।

यदि आप किसी नकारात्मक ऊर्जा वाली जगह कैसे शमशान आदि से आ रहे हैं तो स्नान करने के बाद ही घर में प्रवेश करें।